सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 16 अंक - 293 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, मंगलवार 05 अगस्त 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

शिव महापुराण सुनने पहुंचे सीएम साय, कहा- सनातन धर्म को मजबूत कर रहे है पं. मिश्रा

भिलाई में कथा कर रहे हैं पंडित प्रदीप मिश्रा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। जयंती स्टेड़ियम के पास विशाल परिसर में आयोजित पंडित प्रदीप मिश्रा की शिव महापुराण कथा का श्रवण मंगलवार को छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय भिलाई पहुंचे। सुबह 10 बजे वे कथा स्थल पहुंचे और लगभग एक घंटे से ज्यादा समय तक उन्होंने कथा का श्रवण किया। इस दौरान उन्होंने व्यासपीठ के पास पहुंचकर पं. मिश्रा का आशीर्वाद लेते हुए छत्तीसगढ़ वासियों की सुख समृद्धि की कामना की। इस दौरान मीडिया से चर्चा के दौरान सीएम साय ने कहा कि पंडित प्रदीप मिश्रा पूरे भारत वर्ष में देवाधिदेव महादेव की महिमा का बखान कर सत्य सनातन धर्म को मजबूत कर रहे हैं।

बता दें बोल बम सेवा एवं कल्याण समिति द्वारा भिलाई के जयंती स्टेडियम परिसर में शिव महापुराण कथा का आयोजन किया गया है। समिति के अध्यक्ष दया सिंह की पूरी टीम के सहयोग से पंडित प्रदीप मिश्रा की कथा का आयोजन किया गया। 30 जुलाई से शुरू हुई कथा का मंगलवार 5 अगस्त को समापन हुआ। कथा के

अंतिम दिन छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय मुख्य जजमान के रूप में कथा स्थल पर पहुंचे। उन्होंने पंडित प्रदीप मिश्रा के श्रीमुख से शिव महापुराण की कथा सुनी। भगवान शिव की आराधना की और और लगभग एक घंटे से ज्यादा समय तक कथा स्थल पर मौजूद रहे।

सौभाग्य से मिला कथा सुनने का अवसर, आयोजन समिति को सराहा

मीडिया से चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि बोल बम समिति के अध्यक्ष दया सिंह के प्रयासों से इतना बड़ा आयोजन हुआ है। पंडित प्रदीप मिश्रा के मुख से शिव महापुराण का बखान सुनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इस पवित्र सावन माह में शिव महापुराण सुनने लाखों लोग पहुंचे हैं। छत्तीसगढ़ का सौभाग्य है कि हमें पंडित प्रदीप मिश्रा को सुनने का मौका मिला। सीएम साय ने पंडित प्रदीप मिश्रा का आभार जताते हुए कहा कि वे देश विदेश में शिव महापुराण कथा कर सत्य सनातन धर्म को मजबूत करने का काम कर रहे हैं इसके लिए उनका बहुत-बहुत आभार है। भगवान भोलेनाथ की कृपा छत्तीसगढ़ पर बनी रहे यही हमारी कामना है।

खास-खबर

छत्तीसगढ़ में अब तक 636.2 मिमी औसत वर्षा रिकार्ड

रायपुर। छत्तीसगढ़ में 1 जून से अब तक 636.2 मि.मी. औसत वर्षा रिकार्ड की जा चुकी है। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा स्थापित राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रदेश में अब तक बलरामपुर जिले में सर्वाधिक 1054.2 मिमी वर्षा रिकार्ड की गई है। बेमेतरा जिले में सबसे कम 329.0 मिमी वर्षा दर्ज हुई है।

रायपुर संभाग में रायपुर जिले मे 581.2 मिमी, बलौदाबाजार में 557.5 मिमी, गरियाबंद में 499.8 मिमी, महासमुंद में 538.2 मिमी और धमतरी में 505.1 मिमी औसत वर्षा दर्ज हुई है। बिलासपुर संभाग में बिलासपुर जिले में 675.8 मिमी, मुंगेली में 680.4 मिमी, रायगढ़ में 795.8 मिमी, जांजगीर-चांपा में 867.2 मिमी, कोरबा में 710.3 मिमी, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही 632.1 मिमी, सारंगढ़-बिलाईगढ़ में 594.5 मिमी, सक्ती में 729.2 मिमी औसत वर्षा दर्ज हुई है।

दुर्ग संभाग में दुर्ग जिले में 506.8 मिमी, कबीरधाम में 472.4 मिमी, राजनांदगांव में 552.4 मिमी, बालोद में 591.9 मिमी, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी में 791.1 मिमी, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई में 452.1 मिमी औसत वर्षा दर्ज हुई है। सरगुजा संभाग में सरगुजा जिले में 477.3 मिमी, सूरजपुर में 818.5 मिमी, जशपुर में 719.1 मिमी, कोरिया में 739.3 मिमी और मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में 709.2 मिमी औसत वर्षा दर्ज हुई है। बस्तर संभाग में बस्तर जिले में 727.6 मिमी, कोंडागांव में 482.4 मिमी, नारायणपुर में 594.2 मिमी, बीजापुर में 804.5 मिमी, सुकमा में 497.8 मिमी, कांकेर में 644.6 मिमी, दंतेवाड़ा में 664.1 मिमी और औसत वर्षा रिकार्ड की जा चुकी है।

होम-स्टे के विकास हेतु ईच्छुक आवेदकों से 7 अगस्त तक मंगाये गए आवेदन

जगदलपुर। भारत सरकार द्वारा आदिवासी क्षेत्रो में स्वदेश दर्शन 2.0 योजना एवं प्रधानमंत्री जनजाती उत्कर्ष ग्राम अभियान के तहत् होम-स्टे के विकास तथा बस्तर जिले में पर्यटन को बढ़ावा देने एवं स्थानीय व्यक्तियों को स्वरोजगार व आय के साधन उपलब्ध कराने हेतु पर्यटन क्षेत्र के समीप आदिवासी ग्रामों में होम-स्टे संचालन हेतु इच्छुक अनुसूचित जनजाति वर्ग के व्यक्तियों से 07 अगस्त 2025 तक आवेदन आमंत्रित किया गया है। चयनित व्यक्तियों को होम-स्टे हेतु नये कमरे बनाने हेतु 5 लाख रूपए तक एवं पूर्व से संचालित होम-स्टे में सुधार हेतु 3 लाख रूपये तक की सहायता प्रदाय की जाएगी।

मिड डे मील कांड: कुत्ते का जूठा खाना खिलाने के मामले में हाईकोर्ट ने सचिव से मांगा जवाब

पलारी ब्लॉक अंतर्गत लच्छनपुर मिडिल स्कूल में बच्चों को परोसा गया था कुत्तों का जूठा किया खाना

श्रीकंचनपथ न्यूज

बलौदा बाजार। छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार जिले में 83 बच्चों को कुत्ते का जूठा किया खाना खिलाने के मामले में हाईकोर्ट सख्त हो गया है। जिले के पलारी ब्लॉक अंतर्गत लच्छनपुर मिडिल स्कूल में मिड-डे मील मेंकुत्ते का जूठा खाना परोसा गया और इसकी खबरें मीडिया में आने के बाद हाईकोर्ट ने इस मामले को स्वत: ही संज्ञान में लेते हुए सख्त रुख अपनाया है और इसे गंभीर लापरवाही करार दिया है। हाईकोर्ट ने स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव को 19 अगस्त 2025 तक व्यक्तिगत हलफनामा दाखिल करने का आदेश दिया है। यह आदेश कोर्ट ने मीडिया रिपोर्ट्स के आधार पर जारी किया। अब इस मामले में अगली सुनवाई अगली सुनवाई 19 अगस्त को होगी।

बता दें 29 जुलाई को बलौदाबाजार जिले के पलारी ब्लॉक के लच्छनपुर गांव के सरकारी स्कूल में मिड-डे मील के नाम पर बड़ी लापरवाही सामने आई है। यहां मध्यान्ह भोजन के

लिए बच्चों को दिए जाने वाले खाना को आवारा कुत्तों ने जूठा कर दिया था। छात्रों ने जब शिकायत की, तब भी उनकी बातों को नजरअंदाज कर दिया गया और उन्हें कुत्तों के जूठे भोजन को परोस दिया गया। जब छात्रों ने यह बात अभिभावकों को बताई तो स्कूल समिति की बैठक हुई और दबाव में आकर विद्यार्थियों को दो डोज एंटी रेबीज वैक्सीन दी गई। मीडिया में आई खबरों के मुताबिक 84 बच्चों ने भोजन किया, जिसमें से 78 को वैक्सीन दी गई। इसी पर हाईकोर्ट ने संज्ञान लिया है।

इन 4 बिंदुओं पर हाईकोर्ट ने मांगा जवाब

- क्या सभी बच्चों को समय पर वैक्सीन दी गई?
- जिम्मेदार शिक्षकों एवं स्व-सहायता समूह पर क्या कार्रवाई हुई?
- प्रभावित बच्चों को मुआवजा मिला या नहीं?
- भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने क्या व्यवस्था की गई है?

कोर्ट की कड़ी टिप्पणी, कहा- गंभीर लापरवाही

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा की डिवीजन बेंच ने इस मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि छात्रों को परोसा जाने वाला भोजन कोई औपचारिकता नहीं है, यह गरिमा के साथ होना चाहिए। कुत्ते का जूठा भोजन परोसना न सिर्फ लापरवाही है बल्कि बच्चों की जान को सीधा खतरे में डालना है। एक बार रेबीज हो जाने पर इलाज संभव नहीं होता। कोर्ट ने कहा कि कुत्ते का जूठा खाना परोसना अमानवीय और प्रशासनिक विफलता का उदाहरण है। कोर्ट ने कहा कि यह मामला छत्तीसगढ़ भर में आक्रोश का कारण बन गया है। बच्चों की सेहत और सुरक्षा से समझौता किसी भी हाल में स्वीकार्य नहीं किया जाएगा। यही संदेश अब अदालत से भी स्पष्ट हो चुका है। इस पूरे मामले में हाईकोर्ट के स्वत: संज्ञान में लेने के बाद स्कूल में मध्यान्ह भोजन परोसने वाले पर कार्रवाई हो सकती है।

एम्स रायपुर की वीआरडीएल प्रयोगशाला को मिली एनएबीएल की मान्यता

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। एम्स रायपुर की वायरोलॉजी प्रयोगशाला, जिसे आधिकारिक रूप से माइक्रोबायोलॉजी विभाग के अंतर्गतराज्य वायरल अनुसंधान एवं निदान प्रयोगशाला (VRDL) के नाम से जाना जाता है, ने 1 अगस्त 2025 को एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। इस दिन प्रयोगशाला को पहली बारराष्ट्रीय परीक्षण एवं अंशांकन प्रयोगशालाओं की प्रत्यायन बोर्ड (NABL) से मान्यता प्राप्त हुई।

एनएबीएल ने एम्स रायपुर की इस प्रयोगशाला को 12 प्रमुख मानव विषाणु संक्रमणों की पहचान हेतु मान्यता दी है, जिनमें वायरल मैनिंजाइटिस, एन्सेलाइटिस, कोविड-19 से होने वाला वायरल निमोनिया, स्वाइन फ्लू, इन्फ्लुएंजा बी, आरएसवी, 14 उच्च जोखिम वाले ह्यूमन पैपिलोमा वायरस जो गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर का कारण बनते हैं, एपस्टीन-बार वायरस, हर्पीज सिम्प्लेक्स वायरस, साइटोमेगालोवायरस, हेपेटाइटिस बी और सी वायरल लोड, और डेंगू। वर्ष 2018 में स्थापित यह प्रयोगशाला न केवल एम्स रायपुर

में आने वाले मरीजों को निदान सेवाएं प्रदान कर रही है, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ से आने वाले नमूनों की जांच भी करती है।

यह लैब कोविड-19, हेपेटाइटिस और डेंगू की जांच में प्रमुख भूमिका निभा रही है और चिकनपॉक्स, कंजंक्टिवाइटिस एवं मम्प्स जैसे वायरल रोगों के प्रकोप की जांच में भी सक्रिय भागीदारी निभाती है। यह प्रयोगशाला राज्य की कोविड-19 जांच, गुणवत्ता नियंत्रणऔर SARS-CoV-2 के संपूर्ण जीनोम अनुक्रमणहेतुराज्य नोडल केंद्रके रूप में भी कार्य करती है।

एम्स रायपुर के कार्यकारी निदेशक एवं सीईओलेफ्टिनेंट जनरल अशोक जिंदल (सेवानिवृत्त)ने इस उपलब्धि पर पूरी टीम को बधाई दी और इसे छत्तीसगढ़ की जनता को अत्याधुनिक निदान सेवाएं प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

कुबेरेश्वर धाम में बड़ा हादसा, कांवड़ यात्रा से पहले भीड़ में दबकर दो महिलाओं की मौत

प्रशासन की सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

सिहोर। कुबेरेश्वर धाम में मंगलवार सुबह भारी भीड़ के दौरान अफरा-तफरी मच गई। इस भगदड़ में दो महिलाओं की दबकर मौत हो गई। दोनों महिलाओं की उम्र लगभग 50 वर्ष बताई जा रही है। प्रशासन और पुलिस द्वारा मृत महिलाओं की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। घटनास्थल पर स्थिति को नियंत्रित करने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। बताया जा रहा है कि कुबेरेश्वर धाम में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी थी। इस हादसे से श्रद्धालुओं में हड़कंप मच गया है। प्रशासन ने फिलहाल स्थिति सामान्य होने तक लोगों से संयम बरतने की अपील की है।

सावन माह में आयोजित होने वाली ऐतिहासिक कांवड़ यात्रा को लेकर जिला प्रशासन ने सुरक्षा और यातायात व्यवस्थाओं

के पुख्ता इंतजाम कर लिए हैं। पंडित प्रदीप मिश्रा के सान्निध्य में 6 अगस्त को निकाली जाने वाली इस विशाल कांवड़ यात्रा में करीब 10 लाख श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना जताई गई है। इसे देखते हुए प्रशासन ने ट्रैफिक डायवर्जन प्लान लागू कर दिया है, जो 5 अगस्त रात 12 बजे से 6 अगस्त रात 10 बजे तक प्रभावी रहेगा।

30 ट्रेनें 16 दिन तक कैंसिल, 6 ट्रेनों का रूट बदला

- **एमपी-बिहार-महाराष्ट्र समेत 7 राज्यों के यात्री होंगे परेशान**

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। रेलवे ने छत्तीसगढ़ से होकर गुजरने वाली 30 से ज्यादा ट्रेनों को कैंसिल कर दिया है। ये गाड़ियां 31 अगस्त से 15 सितंबर तक नहीं चलेंगी। वहीं, 6 गाड़ियों के रूट बदले गए हैं, जबकि 5 ट्रेनों को शॉर्ट टर्मिनेट किया गया है। बिलासपुर-झारसुगड़ा रूट पर चौथी लाइन के काम के चलते रेलवे ने यह आदेश जारी किया है। 16 दिन तक ट्रेन कैंसिल रहने की वजह से पश्चिम बंगाल, बिहार, मध्यप्रदेश, गुजरात, राजस्थान, महाराष्ट्र, गोवा जाने वाले यात्रियों की परेशानियां बढ़ सकती हैं।

यह ट्रेनें रहेंगी रद्द

- 18113 टाटानगर-बिलासपुर एक्सप्रेस 30 अगस्त से 2 सितंबर तक रद्द
- 18114 बिलासपुर-टाटानगर एक्सप्रेस 31 अगस्त से 3 सितंबर तक रद्द
- 18109 टाटानगर-इतवारी एक्सप्रेस 3 सितंबर को रद्द
- 18110 इतवारी-टाटानगर एक्सप्रेस 3 सितंबर को रद्द
- 20822 सांतरागाछी-पुणे एक्सप्रेस 30 अगस्त को रद्द
- 20821 पुणे-सांतरागाछी एक्सप्रेस 1 सितंबर को रद्द।
- 22512 कामाख्या-कुर्ला एक्सप्रेस 31 अगस्त को रद्द।
- 22511 कुर्ला-कामाख्या एक्सप्रेस 2 सितंबर को रद्द।
- 22846 हटिया-पुणे एक्सप्रेस 29 अगस्त और 1 सितंबर को रद्द।
- 22845 पुणे-हटिया एक्सप्रेस 31 अगस्त और 3 सितंबर को रद्द।
- 20813 पूरी-जोधपुर एक्सप्रेस - 27 अगस्त को रद्द।
- 20814 जोधपुर-पूरी एक्सप्रेस - 30 अगस्त को रद्द।
- 20971 उदयपुर-शालीमार एक्सप्रेस 30 अगस्त को रद्द।
- 20972 शालीमार-उदयपुर एक्सप्रेस 31 अगस्त को रद्द रहेगी।
- 13425 मालदा-सूरत एक्सप्रेस 30 अगस्त को रद्द।
- 13426 सूरत-मालदा एक्सप्रेस 1 सितंबर को रद्द।
- 12905 पोरबंदर-शालीमार एक्सप्रेस 27 और 28 अगस्त को रद्द।
- 12906 शालीमार-पोरबंदर एक्सप्रेस 29 और 30 अगस्त को रद्द।
- 17321 वास्को-द-गामा-जसीडीह एक्सप्रेस 29 अगस्त को रद्द।
- 17322 जसीडीह-वास्को डिगामा एक्सप्रेस 1 सितंबर को रद्द।
- 22843 बिलासपुर-पटना एक्सप्रेस 29 अगस्त को रद्द।
- 22844 पटना-बिलासपुर एक्सप्रेस 31 अगस्त को रद्द।
- 12262 हावड़ा-मुंबई एक्सप्रेस 2 सितंबर को रद्द।
- 12261 मुंबई-हावड़ा एक्सप्रेस 3 सितंबर को रद्द।
- 12101 कुर्ला-शालीमार एक्सप्रेस 29 अगस्त को रद्द।
- 12102 शालीमार-कुर्ला एक्सप्रेस 31 अगस्त को रद्द।

प्रेम और सहचर्य की मिसाल बन गए ताऊ

श्रीकंचनपथ

हरियाणा के रेवाड़ी में एक गांव है पिथनवास। इस गांव में एक 90 वर्षीय वृद्धा की मृत्यु सुबह-सुबह हो गई। उनके जीवन साथी उस समय बाहर कुर्सी पर बैठे चाय पी रहे थे। थोड़ी देर बाद परिजनों को पता चलता है कि उन्होंने कुर्सी पर बैठे-बैठे ही खामोशी से अपने प्राण त्याग दिये थे। वे 93 वर्ष के थे। दंपति ने भरपूर जीवन दिया था। उन्होंने चार पीढ़ियां देख ली थीं। दोनों की अर्थी साथ-साथ चली। अर्थियों को गुब्बारों से सजाया गया और ढोल नगाड़े के साथ अंतिम यात्रा निकाली गई। इससे पहले यूपी के फतेहाबाद में भी एक ऐसी ही घटना देखने में आई थी। लिवर की समस्या से जूझ रही 48 वर्षीय ममता की मृत्यु हो गई। जैसे ही उनकी मृत्यु का समाचार मिला उनके 53 वर्षीय पति राजकुमार ने भी प्राण त्याग दिये। क्या प्रेम इतना गहरा हो सकता है? क्या वाकई रूहानी रिश्ते होते हैं? दरअसल, यही सनातन का प्रेम है। यह सहचर्य से विकसित होता है। यह हर हाल में खुश रहना सिखा देता है। सुबह की चाय भी यदि साथ-साथ बैठकर पी ली तो जीवन धन्य लगता है। इसमें प्रेम का भद्दा प्रदर्शन नहीं होता। केवल आंखों में झांककर एक मुस्कान दे दी तो चुम्बन, आलिंगन सब हो जाता है। किसी प्रिवेसी की जरूरत नहीं होती। जुबान से कुछ कहने तक की जरूरत नहीं रहती। सिर्फ ये प्रेम ही उनका अपना होता है अन्यथा वो अपना कमाया सबकुछ अपनी अगली पीढ़ी को नि:स्वार्थ-नि:संकोच सौंप देते हैं। उन्हें भविष्य की अनिश्चितता नहीं डराती। साथ-साथ कहीं भी घूम आए तो देश-विदेश की यात्रा हो जाती है। ट्रेन की जनरल बोगी में साथ-साथ बैठने मिल जाए तो वह हवाईजहाज की एक्जीक्यूटिव यात्रा से ज्यादा आरामदेह हो जाती है। पोटली से निकली रोटी सब्जी ही उनके लिए फाइव स्टार रेस्तरां का भोजन हो जाता है। उनके सपने, उनकी दुनिया एक दूसरे में सिमटी होती है। यहीं से उभरता है संतुष्टि का वह भाव जिसे खरीदा नहीं जा सकता। यह भाव न केवल एक दूसरे के प्रति समर्पण पैदा करता है बल्कि एक के जाते ही दूसरे की दुनिया खुद-ब-खुद खत्म हो जाती है। हम बात तो करते हैं भारतीय ज्ञान पद्धति की पर इसे स्कूल कालेज में सिखाया नहीं जा सकता। इसे सिर्फ महसूस किया जा सकता है। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में जब रिश्ते नफा-नुकसान को देखकर जोड़े जाते हैं तो भारतीय ज्ञान परम्परा खुद ब खुद खूंटी पर टंग जाती है। जीवन यापन तो एक बहाना मात्र है, उसे ऊपर उठाने के लिए लोग अपना जमीर तक गिरवी रख देते हैं। घर के तीन कमरे और कार की चार सीटें अतिथियों और रिश्तेदारों की संख्या तय कर देते हैं। पर्यटन पैकेज में होता है जिसमें साथी ट्रैवल एजेंट तय कर देता है। रिश्तों की वह बेबाकी, वह अल्हड़पन इसमें कहां है। इसीलिए स्वार्थ से जुड़े इन रिश्तों के बीच ताऊजी एक मिसाल बनकर उभरते हैं।

संपादकीय

यह कांग्रेस की गलती नहीं, यह मेरी गलती है

राहुल गांधी अफसोस जता रहे हैं। दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में कांग्रेस के ओबीसी प्रकोष्ठ को ओर से आयोजित 'भागीदारी न्याय सम्मेलन' में राहुल गांधी ने कहा, 'मैं 2004 से राजनीति में हूं। जब मैं पीछे मुड़ कर देखता हूं, तो मुझे लगता है कि मैंने गलती की। मैंने ओबीसी की उस तरह रक्षा नहीं की जैसी मुझे करनी चाहिए थी। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि मैं उस समय आपके मुद्दों को गहराई से नहीं समझ पाया'। कांग्रेस के सर्वोच्च नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मंच पर और कार्यक्रम में मौजूद ओबीसी नेताओं से कहा, 'मुझे अफसोस है कि अगर मुझे आपके इतिहास, आपके मुद्दों के बारे में थोड़ा भी पता होता, तो मैं उसी समय जाति जनगणना करा लेता। यह मुझसे हुई गलती है। यह कांग्रेस पार्टी की गलती नहीं है, यह मेरी गलती है। मैं उस गलती को सुधारने जा रहा हूं'।

राहुल गांधी पहले भी इस तरह की बात कह चुके हैं। सिर्फ ओबीसी के मामले में नहीं, बल्कि कई दूसरे मामलों में भी वे गलतियों की माफी मांग रहे हैं और अफसोस जाहिर कर रहे हैं। हालांकि वास्तविकता यह है कि ये जाति गणना नहीं कराना कांग्रेस का नीतिगत फैसला रहा है और ओबीसी की अनदेखी करना कांग्रेस की चुनावी रणनीति रही है।

तभी सवाल है कि अब अफसोस जाहिर करने से क्या होगा? क्या देश का ओबीसी समाज राहुल गांधी के बयान को एक ईमानदार बयान मानेगा और स्वीकार कर लेगा कि सचमुच उनको समझ नहीं थी इसलिए कांग्रेस के लंबे शासन में ओबीसी की अनदेखी हो गई? अगर 2004 में राहुल गांधी को समझ नहीं थी तो क्या यूपीए की चेयरपर्सन सोनिया गांधी और तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को भी समझ नहीं थी? राहुल गांधी के साथ मंच पर राजस्थान के तीन बार मुख्यमंत्री रहे अशोक गहलोत, उनके उप मुख्यमंत्री रहे सचिन पायलट और छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल भी मौजूद थे, क्या यह माना जाए कि इन तीनों को खास कर गहलोत और बघेल को भी राहुल की ही तरह ओबीसी का इतिहास नहीं पता था और अनजाने में अनदेखी होती रही? अगर सवालों की इस श्रृंखला को बढ़ाएं तो सवाल वहां तक जाएंगे कि क्या पंडित जवाहर लाल नेहरू, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी को भी पिछड़ी जातियों के इतिहास, उनके सामाजिक व शैक्षिक पिछड़ेपन या सामाजिक समस्याओं की जानकारी नहीं थी इसलिए उनके राज में भी ओबीसी की अनदेखी होती रही?

> ***"असल में राहुल गांधी ने बंद हो चुके एक असहज अध्याय को फिर से खोल दिया है। वे ऐसे काम करते रहते हैं। कुछ दिन पहले उन्होंने गुजरात में कहा था कि ऐसे अनेक नेता हैं, जो कांग्रेस में हैं लेकिन भाजपा के लिए काम करते हैं। राहुल ने कहा था कि ऐसे लोगों की पहचान करके उनको पार्टी से निकाला जाएगा। लेकिन अभी तक किसी को निकाला नहीं गया है। उलटे उन्होंने भाजपा विरोधी मतदाताओं के मन में कांग्रेस के प्रति एक अविश्वास जरूर पैदा कर दिया है। इसका लाभ लेने के लिए आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल गुजरात में दिन रात एक किए हुए हैं। ओबीसी की अनदेखी करने या उनके मुद्दों को समझ पाने में अपनी अक्षमता जाहिर करके राहुल ने एक बार फिर वैसी ही गलती की है।***

उन्होंने अपने साथ साथ अपने पूर्वजों को और कांग्रेस के तमाम पुराने नेताओं को भी कठघरे में खड़ा कर दिया है। अगर कांग्रेस ने ओबीसी की अनदेखी की तो यह उसकी राजनीतिक रणनीति रही थी, जिसे ओबीसी समाज जानता है। देश के बच्चे बच्चे को पता है कि एक रणनीति के तौर पर कांग्रेस ने सवर्ण, दलित और मुस्लिम वोट का आधार बनाया था, जिसके दम पर वह इतने दशकों तक सत्ता में रही। इस वोट आधार को बनाए रखने के लिए जरूरी था कि ओबीसी की अनदेखी की जाए। इसके भी ऐतिहासिक कारण थे। आजादी से ठीक पहले कांग्रेस के अंदर के तमाम समाजवादी नेता अलग हो गए थे और उन्होंने पिछड़ों की राजनीति की। आजाद भारत में भी हमेशा समाजवादी पार्टियां ही ओबीसी की राजनीति करती रहीं और उनका कांग्रेस से कैसा वैर था यह किसी से छिपा नहीं है। आजादी के बाद अनेक दशकों तक भारतीय जनसंघ मुख्य प्रतिद्वंद्वी नहीं थी, बल्कि अलग अलग समाजवादी व प्रादेशिक पार्टियां कांग्रेस की प्रतिद्वंद्वी थीं।

कांग्रेस द्वारा ओबीसी की अनदेखी का मामला कोई 2004 का नहीं है या राहुल गांधी की नासमझी का नहीं है। कांग्रेस की नीति का है। क्योंकि अगर राहुल 2004 में नहीं समझे थे तो 2009 में समझ सकते थे या 2014 और 2019 में समझ सकते थे। लेकिन उनको यह मामला 2023 के कर्नाटक विधानसभा चुनाव से ठीक पहले समझ में आया और वह भी नीतीश कुमार जैसे समाजवादी नेता के समझाने से। तभी इसमें संदेह है कि ओबीसी समुदाय उनकी बात पर यकीन करेगा। ऐतिहासिक रूप से जो समाज कांग्रेस विरोधी राजनीति की धुरी रहा है और समाजवादी या कम्युनिस्ट और बाद के दिनों में भाजपा का वोट आधार बना है वह राहुल गांधी के अफसोस जताने से उनके साथ चला जाएगा इसमें संदेह है।

हालांकि इसके लिए राहुल गांधी को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है। ओबीसी को आरक्षण देने के लिए काका कालेलकर समिति उनके परनाना के समय बनी थी और उनकी दादी इंदिरा गांधी तक सबने उस रिपोर्ट को रोका था। ऐसे ही मंडल आयोग की रिपोर्ट को इंदिरा गांधी और राजीव गांधी दोनों ने रोका था। जनता पार्टी की मोरारजी देसाई सरकार ने वीपी मंडल की अध्यक्षता में कमेटी बनाई थी, जिसकी रिपोर्ट लागू करने से पहले सरकार चली गई। उसके बाद सत्ता में आईं इंदिरा गांधी और फिर राजीव गांधी ने 10 साल तक रिपोर्ट को ठंडे बस्ते में डाले रखा। वीपी सिंह ने 1990 में इसे लागू किया। आज राहुल गांधी आरक्षण की सीमा बढ़ा कर आबादी के अनुपात में करने की बात कर रहे हैं लेकिन इंदिरा गांधी और राजीव गांधी ने तो ओबीसी को उनकी अनुमानित आबादी के आधा यानी 27 फीसदी आरक्षण देने के प्रस्ताव को भी मंजूरी नहीं दी थी और ओबीसी समाज इस बात को जानता है।

ऐतिहासिक रूप से कांग्रेस ओबीसी राजनीति से दूर रही है, खास कर उत्तर भारत में। इसका नतीजा यह हुआ कि उत्तर भारत की पिछड़ी जातियों ने अपने नेता चुन लिए। पिछले 35 साल से बिहार में अगर ओबीसी जातियों ने लालू प्रसाद और नीतीश कुमार को नेता चुना है या भाजपा के सुशील मोदी उनके नेता रहे, अब भी सम्राट चौधरी नेता हैं तो अब कोई कारण नहीं है कि ओबीसी समाज कांग्रेस में भरोसा दिखाए या कांग्रेस की ओर जाए। यही स्थिति कमोबेश हर राज्य की है। यह भी ध्यान रखने की जरुरत है कि ओबीसी जातियों ने अपनी जाति के नेता चुने हैं। इस फर्क को समझने की जरुरत है कि देश के मुसलमानों ने हिंदू नेताओं को अपना रहनुमा चुना लेकिन पिछड़ों ने किसी सवर्ण को अपना रहनुमा नहीं चुना। यहां तक कि मंडल आयोग की रिपोर्ट लागू करने वाले वीपी सिंह अगले ही चुनाव में हाशिए पर चले गए। इसलिए इस बात की संभावना भी कम है कि पिछड़ी जातियां राहुल गांधी को नेता स्वीकार करेंगी। राहुल अपनी पहचान छिपा नहीं सकते हैं। वे इंदिरा गांधी के पोते और राजीव गांधी के बेटे हैं। उनकी पार्टी ने उनको दत्तात्रेय गोत्र का कौल ब्राह्मण बताया हुआ है। इसलिए वे चाहे जितनी बातें करें और जितने अफसोस जताएं, ओबीसी का नेता बन पाना उनके लिए मुश्किल होगा। हां, यह हो सकता है कि जिन राज्यों में प्रादेशिक पार्टियों के या भाजपा के मजबूत ओबीसी नेता नहीं हैं, वहां कांग्रेस ओबीसी नेता को आगे करके, उसे मजबूती देकर कुछ लाभ ले सकती है।

भारतीय हथकरघा के लिए नवाचार और स्थायित्व के साथ भविष्य बुनना

गिरीराज सिंह, वस्त्र मंत्री

हथकरघा क्षेत्र भारत में सबसे बड़ा कुटीर उद्योग हैए जो देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और 3.5 मिलियन से अधिक लोगों को आजीविका प्रदान करता है। स्थानीय बुनकरों द्वारा नैतिक रूप से निर्मित हथकरघा और दस्तकारी वस्त्रए बड़े पैमाने पर उत्पादित फास्ट फैशन का एक सार्थक विकल्प प्रस्तुत करते हैं ।ऐसा करकेए वे भारत की समृद्ध विरासत को आधुनिक विश्व के लिए एक व्यापक स्थिरता की कहानी में शामिल करते हैं।

टिकाऊ वस्त्र इको-सिस्टम के निर्माण के लिए ग्रामीण हथकरघा और हस्तशिल्प क्लस्टरों को सहायता देना महत्वपूर्ण है। ये क्लस्टर भारतीय शिल्पकला की उन जीवंत परम्पराओं का प्रतिनिधित्व करते हैंए जिन्हें परिवारों और समुदायों द्वारा पीढ़ियों से कायम रखा गया है। निजी क्षेत्र और सामाजिक उद्यमों ने इस क्षेत्र को पुनर्जीवित करने में सराहनीय भूमिका निभाई है ।उनका कार्य पर्यावरण अनुकूल सामग्रियों के साथ नवाचारए स्थानीय स्रोत रि-साईकिलिंग और अप-साईकिलिंग तथा पारंपरिक प्रथाओं के साथ प्रौद्योगिकी को एकीकृत करने तक फैला हुआ है ।ये प्रयास सहयोग के माध्यम से कारीगर समुदायों को सशक्त बनानेए शिल्पकारों और डिजाइनरों के बीच साझेदारी बनानेए उपभोक्ता जागरूकता बढ़ाने और कारीगरों को वैश्विक बाजारों से जोड़ने पर भी ध्यान केंद्रित करते हैं ।जापान के ओसाका में आयोजित विश्व एक्सपो 2025 और अमेरिका के सांता फे में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय लोक कला बाजार जैसे प्रतिष्ठित मंचों पर भारतीय शिल्पकारों की हालिया भागीदारी उनकी अनुकूलनशीलता और वैश्विक अपील को दर्शाती है।

भारत सरकार अनेक योजनाओं और पहलों के माध्यम से वस्त्र पारिस्थितिकी तंत्र, टेक्सटाइल इको सिस्टम का समर्थन करती है। इनमें कच्चे माल की खरीदए करघों और सहायक उपकरणों आदि की खरीद के लिए वित्तीय सहायताए महिला सशक्तिकरण के लिए प्रोत्साहनए कौशल विकास कार्यक्रम तथा पारंपरिक हथकरघों के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु मार्केटिंग प्रयास शामिल हैं। पर्यावरण अनुकूल और सर्कुलर प्रोडक्ट्स को बढ़ावा देनेए जैविक कच्चे माल तक पहुँच में सुधार लाने और नैतिक प्रथाओं के माध्यम से प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाने पर भी जोर दिया गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वोकल फॉर लोकल और आत्मनिर्भर भारत जैसी पहलों ने हथकरघा बुनकरों के लिए अवसरों का काफी विस्तार किया है। कौशल भारत और डिजिटल भारत जैसे अन्य कार्यक्रम कारीगरों को अपने कौशल को अपग्रेड करने और अपने कार्यस्थलों से सीधे बड़े बाजारों तक पहुंचने में सक्षम बना रहे हैं।

इस क्षेत्र के विकास को बनाए रखने के लिए हथकरघा परंपराओं का दस्तावेजीकरण और संरक्षण भी समान रूप से आवश्यक है। वस्त्र मंत्रालय के नेतृत्व में डिजिटल संग्रह, भारतीय वस्त्र एवं शिल्प कोष, पारंपरिक और समकालीन ज्ञान दोनों को संग्रहित करके इस उद्देश्य की पूर्ति करता है। यह मंच अनुसंधान डेटा, डिजाइनर और कारीगर प्रोफाइल, एक वर्चुअल संग्रहालय और डिजिटल प्रदर्शनियां उपलब्ध कराता हैए जिससे यह विद्वानों, शिक्षार्थियों और शिल्प उत्साही लोगों के लिए एक मूल्यवान संसाधन बन जाता है।

हथकरघा क्षेत्र को अधिक लक्ष्य-उन्मुख और लाभदायक बनाने के लिए व्यवसाय-केंद्रित रणनीति आवश्यक है। को-ऑप्टेक्स बोयानिका अथवा टाटा ट्रस्ट द्वारा अन्तरान जैसे हथकरघा मार्केटिंग संगठनों की केस स्टडी से पता चलता है कि व्यवस्थित योजना चाहे वह समितियों, सहकारी समितियों के प्रोत्साहन के माध्यम से हो अथवा गैर-लाभकारी संस्थाओं के साथ सहयोग के माध्यम से हो, हथकरघा बुनकरों की आय और आजीविका में महत्वपूर्ण सुधार ला सकती है।

इसे हासिल करने के कई तरीके हैं। पारंपरिक और आधुनिक, दोनों बाजारों के लिए नए डिजाइन विकसित करने के साथ-साथ पारंपरिक डिजाइनों को पुनर्जीवित करनाए खासकर थीम-आधारित प्रदर्शनियों के जरिए, ग्राहकों को शिक्षित करने और माँग बढ़ाने में मदद कर सकता है। अंगवस्त्रम, वेष्टी और मुंडू जैसे उत्पादों को भी प्रासंगिक बने रहने के लिए विचारशील डिजाइन नवाचार की आवश्यकता होती है ।वर्तमान आंकड़ों से पता चलता है कि केवल 22: हथकरघा बुनकर साड़ियां बनाते हैं और 19: अंगवस्त्रम और इसी तरह के उत्पादों पर ध्यान केंद्रित करते हैंए जिससे 59: ऐसे बुनकर बचते हैं जिन्हें घरेलू साज-सज्जा और वस्त्र सामग्री की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए प्रशिक्षित और सक्रिय किया जा सकता है। आधुनिक रुचियों के अनुरूप ढलते हुएए भारतीय हथकरघा को परिभाषित करने वाले अद्वितीय क्षेत्रीय कौशल और तकनीकों को संरक्षित करना महत्वपूर्ण है। जैविक फाइबरए प्राकृतिक रंगों और टिकाऊ सामग्रियों के उपयोग से हथकरघा उत्पादों का मूल्य और आकर्षण और अधिक बढ़ सकता है।

वस्त्र मंत्रालय संत कबीर और राष्ट्रीय हथकरघा पुरस्कार जैसे पुरस्कारों के माध्यम से बुनकरों के योगदान को सक्रिय रूप से मान्यता प्रदान कर रहा है और उन्हें पुरस्कृत कर रहा है। हाल के वर्षों में, नई श्रेणियां शुरू की गई हैंए जैसे कि महिला बुनकरों, जनजातीय कारीगरों, दिव्यांग बुनकरों, नवोन्मेशी उत्पादक समूहों और हथकरघा के साथ रचनात्मक रूप से जुड़ने वाले डिजाइनरों के लिए पुरस्कार। इसमें एक उल्लेखनीय बात यह है कि युवाओं को युवा बुनकर पुरस्कार भी दिया जाता है, जोकि 30 वर्ष से कम आयु के ऐसे कारीगरों को दिया जाता हैए जिन्होंने पारंपरिक तकनीकों में निपुणता प्राप्त कर ली है तथा नवाचार अथवा उद्यमिता के प्रति प्रतिबद्धता का प्रदर्शन करते हैं। ये पुरस्कार न केवल प्रतिष्ठित हैं बल्कि पारदर्शी और लोकतांत्रिक भी हैं तथा इनके साथ नकद पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र भी दिए जाते हैं। संत कबीर, राष्ट्रीय एवं राज्य पुरस्कार विजेताओं को आजीवन 8ए000 रुपये मासिक पेंशन दी जाती है। इसका उद्देश्य हथकरघा के क्षेत्र में नवाचारए विशेष रूप से ऐसी तकनीकों और सौंदर्यबोध को बढ़ावा देना हैए जिनकी मशीनों अथवा पावरलूमों द्वारा नकल नहीं की जा सकती है।

भारतीय हथकरघा उद्योग का स्थायित्व बनाए रखने के लिए परंपरा और नवाचार दोनों को अपनाने की आवश्यकता है। भारत कपास, रेशम, ऊन, जूट और नारियल के रेशों जैसे प्राकृतिक फाइबर से समृद्ध है, और यहाँ बाँस, केले के फाइबर, हेम्प और मिल्कवीड जैसी नई सामग्रियों की खोज तेजी से हो रही है। कृषि अपशिष्ट की एक बड़ी मात्रा भी अभी तक पूरी तरह से उपयोग में नहीं आ पाई है ।इस प्रचुरता के बावजूद, वास्तव में टिकाऊ उत्पादन के लिए बड़े पैमाने पर यार्न और वस्त्र प्रसंस्करण को मजबूत करने की अभी भी आवश्यकता है।

वस्त्र क्षेत्र में उद्यमों के सर्कुलर उत्पादन में तेजी आ रही है। वर्तमान समय मेंभारत की गहन भौतिक संस्कृति के बारे में जागरूकता बढ़ रही है, यह केवल यार्न और फैब्रिक में ही नहींए बल्कि परिधानों के सहायक उपकरणों में भी बढ रही हैए जिनका पर्यावरणीय प्रभाव के लिए मूल्यांकन किया जा रहा है। बचे हुए कपड़ों और धागों का उपयोग करके बनाए गए पुनर्चक्रित संग्रह लोकप्रिय हो रहे हैंए जो पारंपरिकए टिकाऊ प्रथाओं के पुनरुद्धार में योगदान दे रहे हैं। यह आंदोलन पर्यावरण के प्रति जागरूक फैशन की ओर एक व्यापक वैश्विक बदलाव को दर्शाता है।

आज तेजी से बढ़ते शहरी प्रवास और जलवायु परिवर्तन के बढ़ते खतरे के साथए पारंपरिक बुनकर की अपने करघे पर भूमिका प्रतीकात्मक से कहीं ज्यादा बढ़ गई हैएअबयह हरित तकनीक और सांस्कृतिक संरक्षण का एक सशक्त उदाहरण बन गई है। भारत की हथकरघा विरासत एक ऐसा मार्ग प्रशस्त करती है जो पर्यावरण और शिल्प से जुड़े लोगोंका सम्मान करती है और देश को जिम्मेदार एवं नैतिक फैशन के क्षेत्र में अग्रणी बनाती है।

स्कूली हादसे से भी नहीं खुलेगी नेताओं की नींद

योगेंद्र योगी

राजस्थान के शिक्षा विभाग ने हाल ही आठ हजार स्कूलों का प्रस्ताव स्कूल शिक्षा परिषद को भेजा। इनमें से महज दो हजार स्कूलों का चयन कर इनमें मरम्मत के लिए 175 करोड़ प्रस्ताव बनाकर सरकार को भेज दिया, लेकिन राशि अभी तक नहीं मिली।

देश के सरकारी स्कूलों के आधारभूत ढांचे और शिक्षा की गुणवत्ता की हालत करेला और नीम चढ़ा जैसी है। हालात ये हैं घिसी-पिटी, आधी-अधूरी शिक्षा ग्रहण करने वाले इन स्कूलों में बच्चों की जान तक महफूज नहीं है। राजस्थान के झालावाड़ जिले के मनोहरथाना ब्लॉक के पलोदी गांव में सरकारी मिडिल स्कूल की छत गिरने से 7 बच्चों की मौत हो गई। इस हादसे में करीब 30 से ज्यादा बच्चे घायल हो गए। राज्य के सैकड़ों स्कूलों के संस्था प्रधान पिछले दो साल से विभाग से भवनों की मरम्मत के लिए बजट मांगते-मांगते थक गए, लेकिन सरकारी तंत्र पर कोई असर नहीं हुआ।

राजस्थान के शिक्षा विभाग ने हाल ही आठ हजार स्कूलों का प्रस्ताव स्कूल शिक्षा परिषद को भेजा। इनमें से महज दो हजार स्कूलों का चयन कर इनमें मरम्मत के लिए 175 करोड़ प्रस्ताव बनाकर सरकार को भेज दिया, लेकिन राशि अभी तक नहीं मिली। इस बार केंद्र से सिर्फ नवीन भवनों का बजट मिला। इसके चलते सरकार ने पिछले बजट में 700 स्कूलों की मरम्मत की घोषणा की। इसके लिए 80 करोड़ जारी हो गए, जिनका कार्य चल रहा है। वहीं, हाल ही बजट में 175 करोड़ स्वीकृत किए गए। लेकिन बजट कम होने के कारण दो हजार स्कूलों को शामिल किया गया। करीब छह हजार स्कूल मरम्मत का इंतजार कर रहे हैं। ऐसा नहीं है कि अकेले राजस्थान में ही सरकारी स्कूलों के भवनों की ऐसी दुर्दशा है। देश में 54 हजार से अधिक सरकारी स्कूल जर्जर हालत में हैं। इन स्कूलों में लाखों बच्चे जान जोखिम में डालकर पढ़ाई कर रहे हैं। ओडिशा में 12 हजार 343, महाराष्ट्र में 8 हजार 71, पश्चिम बंगाल में 4 हजार 269, गुजरात में 3 हजार 857, आंध्र प्रदेश में 2 हजार 789, मध्य प्रदेश में 2 हजार 659, उत्तर प्रदेश में 2 हजार 238 और राजस्थान में 2 हजार 061 स्कूल जर्जर हालत में हैं। इनमें कभी भी झालावाड़ जैसे हादसे की पुनरावृत्ति हो सकती है। राजस्थान में हुए स्कूली हादसे की पुनरावृत्ति देश के कई राज्यों में पूर्व में हो चुकी है। भोपाल के एक स्कूल में छत से प्लास्टर गिरने से छात्राएं घायल हो गईं। झारखंड की राजधानी रांची में एक स्कूल की इमारत की खिड़की का एक हिस्सा टूटकर गिरा था। उत्तर प्रदेश में भी स्कूलों की दीवारों में दरारें हैं और ऑपरेशन कायाकल्प का असर नहीं दिख रहा। बिहार में कई बच्चों के पास स्कूल की इमारत तक नहीं है और वे झोपडियों में पढ़ते हैं, जहाँ पीने का पानी और शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाएं भी नहीं हैं। मध्य प्रदेश के सतना में भी प्लास्टर गिरने से एक बच्चा घायल हुआ था।

सरकारी स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं के साथ शिक्षा की गुणवत्ता भी खराब है। यूडाइस की रिपोर्ट और प्रधानमंत्री पोषण योजना की रिपोर्ट के मुताबिक पिछले साल सरकारी स्कूलों में डेढ़ करोड़ बच्चे कम हुए और इस साल तो मामला और गंभीर हुआ है। 23 राज्यों में बच्चों ने सरकारी स्कूल छोड़ दिया है। इनमें से राजस्थान सहित 8 राज्य ऐसे हैं जहाँ ये घटत, एक लाख से ज्यादा की है। अर्थात लाखों बच्चों ने स्कूल छोड़ा। इनमें उत्तर प्रदेश में (21.83 लाख), बिहार (6.14 लाख), राजस्थान (5.63 लाख) और पश्चिम बंगाल (4.01 लाख) और कर्नाटक (2.15 लाख) बच्चों ने स्कूलों से मुंह मोड़ लिया। असम, तमिलनाडु, दिल्ली, जम्मू-कश्मीर और गुजरात की हालत भी यही है। साल 2024-25 के इकोनॉमिक सर्वे के मुताबिक भारत में 14.72 लाख स्कूल हैं, जिनमें 24.8 करोड़ बच्चे पढ़ते हैं और 98 लाख शिक्षक हैं। अब 57.2 प्रतिशत स्कूलों में कंप्यूटर हैं, 53 प्रतिशत में इंटरनेट है। प्राथमिक कक्षाओं से 1.9 प्रतिशत, उच्च प्राथमिक से 5.2 प्रतिशत और सेकेंडरी लेवल से 14.1 प्रतिशत बच्चे हर साल पढ़ाई छोड़ रहे हैं। ये सर्वे, पहले के मुकाबले स्कूलों की बेहतरी दिखा रहे थे। मगर हाल में नजर आ रही गिरावट ने ये सारी बात उलट दी। भारत में स्कूली शिक्षा की स्थिति काफी खराब है। शोध अध्ययनों से पता चला है कि छात्रों की अनुपस्थिति दर बहुत अधिक है और उसकी तुलना में आधे से भी कम शिक्षक वास्तव में पढ़ा रहे थे।

वार्षिक शिक्षा स्थिति रिपोर्ट बताती है कि कक्षा 5 के छात्र कक्षा 2 की पाठ्यपुस्तक नहीं पढ़ सकते हैं या साधारण गणितीय प्रश्न हल नहीं कर सकते हैं। केंद्र और राज्य सरकार ने पिछले दो दशकों में शिक्षा में अधिक धन लगाया है, लेकिन अधिक व्यय, उच्च शिक्षक-छात्र अनुपात, पाठ्यक्रम परिवर्तन और एनजीओ के प्रयासों के बावजूद, पिछले दशक में एएसईआर के परिणामों में महत्वपूर्ण सुधार नहीं हुआ है। वर्ष 2009 में भारत ने अंतर्राष्ट्रीय छात्र मूल्यांकन कार्यक्रम स्कूल रैंकिंग में भाग लिया। इस मूल्यांकन से पता चलता है कि 15 वर्षीय स्कूली बच्चे विज्ञान-गणित और पढ़ने में कैसा प्रदर्शन करते हैं। भारत 74 देशों में से 72वें स्थान पर रहा, जो इसकी शिक्षा प्रणाली का प्रतीक है।

भारत ने इसके बाद इस कार्यक्रम में भाग लेना बंद कर दिया। हालांकि 2021 में प्रतियोगिताओं में भारत ने फिर से भाग लेने का निर्णय लिया, लेकिन उसी बीच कोरोना की लहर आ गई और आगे कुछ नहीं हुआ। भारत के कुछ प्रतिष्ठित निजी स्कूलों में लंबे समय से गुणवत्ता स्थापित है। अधिकांश राज्य सरकार के स्कूलों के साथ ऐसा नहीं है। ये इतनी खराब गुणवत्ता के हैं कि कई गरीब परिवार अपने बच्चों को मुफ्त सरकारी स्कूलों से निकालकर महंगे निजी स्कूलों में डाल देते हैं, भले ही इनकी अक्सर संदिग्ध साख हो। केंद्रीय विद्यालय अच्छी शिक्षा प्रदान करते हैं, क्योंकि माता-पिता प्रभावशाली सिविल सेवक होते हैं जो शिक्षकों की माता-पिता के प्रति जवाबदेही सुनिश्चित करते हैं।

सरकारी स्कूलों में सुधार के लिए समय-समय पर कई आयोग और समितियों का गठन किया गया है, जिन्होंने अपनी रिपोर्ट में शिक्षा प्रणाली में सुधार के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए हैं। इन आयोगों और समितियों में कोठारी आयोग, यशपाल समिति, और टीएसआर सुब्रमण्यम समिति प्रमुख हैं। इनकी सिफारिशों में शिक्षा के सभी स्तरों पर सुधार, शिक्षकों की भूमिका, पाठ्यक्रम और मूल्यांकन में बदलाव और शिक्षा में नवाचार शामिल हैं। इन आयोगों की रिपोर्ट धूल फांक रही है। कारण स्पष्ट है कि सरकारों और राजनीतिक दलों के लिए शिक्षा में सुधार से वोट बैंक में इजाफा नहीं होता। जब तक देश में शिक्षा जैसी बुनियादी जरूरतों को वोट बैंक के नजरिए से देखा जाता रहेगा, तब तक देश में शिक्षा का सर्वांगीण उत्थान संभव नहीं है।

विपक्षी पार्टियां चुनाव का बहिष्कार नहीं करती

अजीत द्विवेदी

बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने यह शिगूफा छोड़ा है। बिहार में चल रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर के खिलाफ विधानसभा में खूब हंगामे के बाद उन्होंने सदन के बाहर मीडिया से कहा कि वे विधानसभा चुनाव का बहिष्कार करने के बारे में विपक्ष की दूसरी पार्टियों से बातचीत करेंगे और जनता की राय भी लेंगे। तेजस्वी यादव ने केंद्र सरकार और चुनाव आयोग पर हमला करते हुए यह भी कहा कि जब बेईमानी से सब कुछ तय कर रखा है कि किसको कितनी सीटें देनी हैं तो देखा जाएगा कि क्या किया जा सकता है।

उनके कहने का आशय यह था कि अगर विपक्षी पार्टियों में सहमति बनती है और जनता का रुख सकारात्मक दिखता है तो विपक्ष चुनाव का बहिष्कार कर सकता है। इसका मतलब है कि, 'न नौ मन तेल होगा, न राधा नाचेगी'। इससे जाहिर होता है कि विपक्ष को चुनाव का बहिष्कार नहीं करना है, बल्कि चुनाव के बहिष्कार की बात करके पूरी चुनाव प्रक्रिया और चुनाव आयोग की विश्वसनीयता और निष्पक्षता पर सवालिया निशान लगाना है।

वास्तविकता यह है कि विपक्ष ने चुनाव आयोग पर जिस तरह के आरोप लगाए हैं उसके बाद कोई कारण नहीं दिखता है कि विपक्ष चुनाव का बहिष्कार न करे। दिल्ली में राहुल गांधी से लेकर पटना में तेजस्वी यादव और मुंबई में उद्धव ठाकरे से लेकर लखनऊ में अखिलेश यादव तक कोई भी विपक्षी नेता नहीं बचा है, जिसने चुनाव आयोग पर सरकार के साथ मिल कर काम करने और विपक्ष को चुनाव हराने के बंदोबस्त करने के आरोप नहीं लगाए हैं। राहुल गांधी ने हरियाणा और महाराष्ट्र के विधानसभा चुनाव में जनादेश चुरा लेने का आरोप लगाया है।

उनका कहना है कि मैच फिक्सिंग से भाजपा ने महाराष्ट्र का चुनाव जीता और ऐसे ही मैच फिक्सिंग बिहार में हुई है। अब वे कर्नाटक की एक लोकसभा सीट के आंकड़े लेकर आने वाले हैं। उन्होंने कहा है कि जनादेश कैसे चुराया जाता है यह कर्नाटक की एक लोकसभा सीट के आंकड़ों से ब्लैक एंड व्हाइट में सबके सामने आ जाएगा। इस तरह वे यह भी बताना चाह रहे हैं कि लोकसभा चुनाव का जनादेश भी चुराया गया था।

राहुल गांधी ने बिहार में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान शुरू होने से पहले ही कहा था कि महाराष्ट्र में भाजपा जैसे मैच फिक्सिंग से चुनाव जीती है वैसे ही बिहार में भी मैच फिक्सिंग है। उनके इस बयान के थोड़े दिन बाद बिहार में मतदाता सूची का पुनरीक्षण शुरू हो गया। इसके विरोध में तेजस्वी यादव के साथ साथ राहुल गांधी भी पटना की सड़कों पर उतरे। विपक्ष का आरोप है कि उनके मतदाताओं के नाम काट कर और फर्जी नाम जोड़ कर भाजपा को जिताने की तैयारी हो रही है। सोचें, विपक्ष ने चुनाव आयोग पर कितनी तरह के आरोप लगाए हैं। मतदाता सूची में फर्जीवाड़े का आरोप सबसे नया है।

मतदाता सूची में फर्जीवाड़े के अलावा फर्जी वोट डलवाने, मतदान समाप्त होने के बाद आंकड़ों में गड़बड़ी करने, अचानक मतदान का प्रतिशत बढ़ जाने, मतदान केंद्रों के वीडियो नहीं जारी करके गड़बड़ी छिपाने आदि के आरोप पिछले एक साल से लग रहे हैं। उससे पहले सारा फोकस इलेक्ट्रोनिक वोटिंग मशीन यानी ईवीएम में गड़बड़ी का था। विपक्ष का पूरा इकोसिस्टम साबित करने में लगा था कि ईवीएम में गड़बड़ी करके भाजपा जीत रही है। हालांकि विपक्ष किसी ठोस सबूत से इसे प्रमाणित नहीं कर सका। बहरहाल, अब सीधे चुनाव कराने वाली संस्था यानी चुनाव आयोग को ही कठघरे में खड़ा कर दिया गया है।

सोचें, अगर चुनाव आयोग मतदाता सूची में गड़बड़ी करता है, मनमाने तरीके से कुछ खास समुदाय या जातियों के वोट काटता है और दूसरे फर्जी वोट जोड़ता है, शाम पांच बजे मतदान समाप्त होने के बाद लाखों की संख्या में वोट डलवा देता है, रात 11 बजे के बाद या मतदान के अगले दिन अचानक मतदान प्रतिशत में बढ़ोतरी कर देता है, ईवीएम में गड़बड़ी करके मतदान प्रतिशत बढ़ाता है और भाजपा की जीत सुनिश्चित करता है तो फिर विपक्ष को क्यों चुनाव लड़ना चाहिए? अगर विपक्ष अपने इन आरोपों के प्रति गंभीर है और इनकी सचाई पर उसको यकीन है तो फिर उसे किसी हाल में चुनाव नहीं लड़ना चाहिए।

अगर उसको लग रहा है कि मतदान की निष्पक्षता, स्वतंत्रता और शुचिता से समझौता हो रहा है और चुनाव आयोग सत्तारूढ़ दल की जीत के लिए काम कर रहा है तो उसे चुनाव का बहिष्कार करना चाहिए। क्योंकि ऐसी स्थिति में विपक्ष के लिए बराबरी का मैदान नहीं रहता है और मुकाबला शुरू होने से पहले ही वह हार चुका होता है। मिसाल के तौर पर अगर किसी फुटबॉल मैच में रेफरी दूसरी टीम से मिला होगा तो दूसरी टीम आक्रामक तरीके से खेलेगी, गलत तरीके से आप पर वार करेगी, आपको घायल करेगी और आपको हरा भी देगी। जब आपको रेफरी के यानी चुनाव आयोग के भाजपा से मिले होने के आरोपों पर यकीन है तो आप क्यों मुकाबले में शामिल हो रहे हैं?

ध्यान रहे भारत में कभी भी विपक्षी पार्टियों ने चुनाव के बहिष्कार के बारे में गंभीरता से नहीं सोचा है। वे हर चुनाव से पहले चुनाव आयोग पर आरोप लगाते हैं, ईवीएम सेट होने की बात करते हैं, मैच फिक्सिंग का दावा करते हैं और फिर चुनाव में शामिल होते हैं। अगर जीत गए तो कभी भी प्रक्रिया पर सवाल नहीं उठाते हैं और हार गए तो आरोपों को दोहराने लगते हैं। इससे चुनाव आयोग की साख जितनी खराब हुई है उतनी ही विपक्ष की साख भी खराब हुई है। अब विपक्ष के आरोपों पर लोग यकीन नहीं करते हैं। उप राष्ट्रपति वाले प्रकरण के बाद तो और भी नहीं करेंगे।

ध्यान रहे विपक्ष खासकर कांग्रेस पार्टी जैसे चुनाव आयोग को सरकार से मिला हुआ बताती है वैसे ही तत्कालीन उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को भी सरकार का एजेंट बताती थी। लेकिन धनखड़ का इस्तीफा हुआ तो कांग्रेस उनको नियम और मर्यादा का पालन करने वाला और पक्ष व विपक्ष दोनों पर समान रूप से सख्ती करने वाला बता रही है। तभी यह सवाल उठ रहा है कि कांग्रेस आज चुनाव आयोग में तमाम कमियां निकाल रही है लेकिन क्या पता कल तारीफ करने लगे!

बहरहाल, चुनाव बहिष्कार करना विपक्ष का विरोध करने का एक लोकतांत्रिक तरीका है। दुनिया के कई देशों में विपक्षी पार्टियों ने चुनाव का बहिष्कार किया और उसके बाद उन देशों में राजनीतिक हालात बदले। सबसे ताजा मिसाल बांग्लादेश की है। पिछले साल जनवरी में हुए राष्ट्रीय चुनावों में विपक्षी पार्टियों ने तत्कालीन शेख हसीना सरकार पर चुनाव में धांधली करने के आरोप लगाते हुए चुनाव का बहिष्कार किया।

विपक्ष के बहिष्कार के बीच हुए चुनाव में 40 फीसदी के करीब वोट पड़े, जिसमें शेख हसीना की पार्टी ने 299 में से 216 सीटें जीतीं। उन्हीं की ओर से खड़ा कराए गए निर्दलीय उम्मीदवारों ने 52 सीटें जीतीं और 11 सीटें जातीय पार्टियों को गईं। अमेरिका सहित दुनिया भर के देशों ने इस चुनाव की आलोचना की। शेख हसीना के प्रति वैश्विक बिरादरी की राय बिगड़ी और नतीजा यह हुआ कि अगस्त में शेख हसीना का तख्तापलट हो गया और उनको भाग कर भारत में शरण लेनी पड़ी।

भारत में विपक्षी पार्टियां चुनाव का बहिष्कार नहीं करती हैं क्योंकि उनको अपने आरोपों पर खुद ही भरोसा नहीं है। उनको लगता है कि क्या पता इस बार चुनाव जीत जाएं। उनको यह भी लगता है कि जनादेश चुराने का आरोप लगा कर वे आम जनता को सरकार के खिलाफ खड़ा कर सकते हैं और इसका चुनावी लाभ उनको मिल सकता है। विपक्षी पार्टियों के बीच इतने बड़े मसले पर सहमति भी नहीं है। इसलिए उनको लगता है कि अगर दो चार पार्टियों ने बहिष्कार किया और अन्य पार्टियां चुनाव लड़ गईं तो विपक्ष का स्पेस उनको मिल जाएगा। इसलिए चुनाव आयोग के ऊपर इतने गंभीर आरोप लगाने के बाद भी विपक्षी पार्टियां चुनाव लड़ती हैं।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

खास खबर

आयुक्त ने निर्माणाधीन रेन वाटर हार्वेस्टिंग एवं उद्यानों का निरीक्षण किए

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई नेहरू नगर अंतर्गत अशोक उद्यान, कोसा नगर शासकीय स्कूल, कुसुम कानन नर्सरी, नेहरू नगर रैश्ने आवास एवं जोन 03 अंतर्गत शांति पारा का निरीक्षण आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय द्वारा किया गया। आयुक्त ने नेहरू नगर पश्चिम स्थित अशोक उद्यान में चल रहे उद्यान संधारण कार्य का अवलोकन किया। उद्यान के अंदर कारपेट ग्रास लगाने का कार्य प्रगति पर है, जिसे जल्द ही पूरा करने जोन आयुक्त अजय राजपूत को निर्देशित किया गया है। कोसा नगर स्थित शासकीय हाई स्कूल परिसर में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम निर्माण हेतु गड्ढा खोदा गया है, जिसका निरीक्षण किया गया और रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम शीध्र निर्माण हेतु सहायक अभियंता पुरूषोत्तम सिन्हा को निर्देशित किया गया। नेहरू नगर स्थित कुसुम कानन नर्सरी के अंदर 2 फाउन्टेन पूर्व से स्थापित है। जिसमें से एक फाउन्टेन संचालित है और दुसरा फाउन्टेन बंद है, जिसका अवलोकन कर यथाशीध्र संधारण कराने निर्देशित किया गया। नेहरू नगर स्थित एल.आई.जी. अटल आवास में पेयजल आपूर्ति एवं नालियों की साफ-सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उपअभियंता बसंत साहू, सहायक राजस्व अधिकारी अजय शुक्ला, सहायक उद्यान अधिकारी संजय शर्मा उपस्थित रहे। जोन 03 मदर टेरेसा नगर अंतर्गत शांति पारा रोड में पेयजल आपूर्ति एवं साफ-सफाई का निरीक्षण आयुक्त ने वार्ड पार्षद विनोद चेलक के साथ किए। बीएसपी आवास के पीछे बैक लाईन की सफाई व्यवस्था के संबंध में नोटिस देने स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देशित किए हैं। इस दौरान जोन स्वास्थ्य अधिकारी बीरेन्द्र बंजारे, त्रिलोचन एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

सितम्बर माह के प्रथम सप्ताह, राज्य स्तरीय रोजगार मेला का आयोजन

दुर्ग। छत्तीसगढ़ शासन, कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विभाग के अंतर्गत संचालक, रोजगार एवं प्रशिक्षण छत्तीसगढ़ के निर्देशानुसार ''राज्य स्तरीय रोजगार मेला'' का आयोजन माह सितम्बर 2025 के प्रथम सप्ताह में रायपुर में होना प्रस्तावित है, जिसके लिए निजी क्षेत्र के तकनीकी एवं गैर तकनीकी क्षेत्र में उपलब्ध विभिन्न सेक्टर जैसे आईटी, कम्प्यूटर, हॉस्पिटल, हॉस्पिटालिटि, फार्मेसी, सेल्स एवं मार्केटिंग, बैंकिंग, फाईनेंस एवं एकाउन्टिंग, इंश्योरेंस, सर्विस सेक्टर आदि के लगभग 10000 रिक्त पदों की अधिसूचना प्राप्त हुई है, इस मेले में लगभग सभी प्रकार के शैक्षणिक योग्यताधारी आवेदक जैसे- 8वीं, 10वीं, 12वीं, स्नातक, स्नातकोत्तर, आईटीआई, डिप्लोमा, इंजीनियरिंग के लिए अच्छे वेतनमान पर रिक्त पद हैं केन्द्र दुर्ग उप संचालक से मिली जानकारी अनुसार इस रोजगार मेले में नियोजक एवं आवेदक हेतु आवेदन की संपूर्ण प्रक्रिया ऑनलाईन ई-रोजगार पोर्टल के माध्यम से की जानी है।

सौभाग्य से मानव तन मिला, रोज जिससे मिलो उसकी केवल अच्छाई ग्रहण करो आपमें भी अच्छाई आना शुरू हो जाएगी - पंडित प्रदीप मिश्रा

लाखों भक्तों को कथा श्रवण कराने और उनके लिए सुंदर व्यवस्था बनाने के लिए पंडित प्रदीप मिश्रा ने दया सिंह को साधुवाद दिया

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। जयंती स्टेडियम के मैदान में आयोजित शिवमहापुराण कथा के छठवें दिन भगवान भोलेनाथ की करूणा, उदारता और कृपा का वर्णन किया। कथा की शुरूआत में अंतरराष्ट्रीय कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा जी ने भिलाई नगर के रहवासियों को पवित्र शिवमहापुराण कथा श्रवण का लाभ दिलाने के लिए बोल बम सेवा एवं कल्याण समिति के संस्थापक व उप नेता प्रतिपक्ष श्री दया सिंह जी को बहुत-बहुत साधुवाद दिया।

पंडित प्रदीप मिश्रा जी ने बताया कि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज ने बहुत सुंदर विचार कहे हैं कि हमें सौभाग्य से मानव तन मिला है, हम रोज सैकड़ों, हजारों, लाखों लोगों से मिलते हैं, हमें केवल उनकी अच्छाइयां ही ग्रहण करना है। जिस तरह हम भोजन की थाली में सबसे पहले खाने के लिए श्रेष्ठ ही चुनते हैं, जैसे हम कहीं जाने के आलमारी से श्रेष्ठ वस्त्र ही निकालते हैं, उसी तरह हमें लोगों की अच्छी बातें ही ग्रहण करनी है। आचार्य विद्यासागर महाराज कहते हैं कि जब हम अच्छा ही गुण चुनना शुरू करते हैं तो हमारे जीवन में अच्छाइयां स्वयं आती जाती हैं।

पंडित प्रदीप मिश्रा जी ने कहा कि एक नाम, एक उपनाम के अनेक व्यक्ति हो सकते हैं, लेकिन मेरे शंकर भगवान के यहां आपका नाम नहीं चलता, उनके यहां नाम से कोई मतलब हैं, शंकर भगवान के यहां तो केवल एक ही चलती है, वह आपके हृदय का प्रेम। चाहे आप महल में रहकर करो या झोपड़ी में रहकर प्रेम करो। रामजी रावण को मारने के लिए वन से होकर गए, लेकिन वे तो रावण को घर में रहकर भी मार सकते थे। वे रावण को मारने नहीं, बल्कि मां शबरी को दर्शन देने गए थे। एक भक्ति का बल होता है, उसके लिए भगवान को भक्त के दरवाजे तक आना ही पड़ता है। पंडित प्रदीप मिश्रा ने कहा कि आज सावन की सोमवारी है, मैं विश्वास से कहता हूं, जितने लोग दिल से कथा सुनते हैं, अगली बार फिर जब कथा होगी, आपकी झोली खुशियों से भरी होगी। पंडित प्रदीप मिश्रा ने कहा कि आज के जमाने में संसार की हर वस्तु उधार मिल सकती है पर पुण्य कभी उधार नहीं मिलता। वह तो आपको कमाना ही पड़ेगा।

सोमवार की कथा में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पत्नी कौशिल्या साय, पूर्व मंत्री एवं विधायक अमर अग्रवाल, आईजी रामगोपाल गर्ग सहपरिवार, विधायक डोमनलाल कोर्सेवाड़ा, दुर्ग नगर निगम की महापौर अलका बाघमार, धर्मेंद्र यादव, विधायक देवेंद्र यादव की माता पुष्पा देवी यादव ने व्यासपीठ का पूजन किया।

भक्तों ने पत्र में शिवजी की महिमा बताई

भक्त प्रिया जाना, बापू नगर खुर्सीपार ने पत्र में लिखा कि मेरी मौसी की शादी को 49 साल हो गए थे, उन्हें कोई बच्चा नहीं था। सभी जगह के डॉक्टरों ने मना कर दिया था। मैंने उन्हें आपकी कथा और शिवजी की महिमा बताई। उन्होंने उम्र की बात कहते हुए पर निराशा जताई परंतु मैंने उन्हें भरोसा दिलाया। तब मौसी ने पशुपति व्रत कि, कथा सुनी। 50 वर्ष बाद मेरी मौसी के घर में जुलाई 2025 में पुत्र रत्न की प्राप्ति हो गई। ममता सोनी जेवरा सिरसा दुर्ग ने पत्र में पूरे छत्तीसगढ़ की दीदियों की ओर से पंडित जी का राखी भेजी। पत्र में बताया कि 10 सालों से मुझे लीवर में परेशानी थी। कुबेरेश्वर धाम गई वहां से रूद्राक्ष लाया, रोज जल का सेवन करती रही। अब लीवर की समस्या दूर हो गई। मैं शिवजी को प्रणाम करने आई हूं। मनीषा गुप्ता न्यू खुर्सीपार ने पत्र में लिखा कि मेरे पापा राउरकेला उड़िसा में रहते हैं, उनके पेट में तकलीफथी। लीवर में पानी भर गया था। उन्हें रायपुर में डॉक्टर को दिखाया। डॉक्टरों ने कहा कि ठीक नहीं हुआ तो लीवर ट्रांसप्लांट करना पड़ेगा। रोज दवाई कुंदकेश्वर महादेव का नाम लेकर खाया। बाबा की कृपा से लीवर ठीक हो गया।

कथा शिवजी से मन जोड़ने के लिए जाओ भीड़ बढ़ाने मत जाओ

मन को जोड़ने के लिए, भाव बढ़ाने के लिए, शिव को पाने के लिए शिवमहापुराण कथा में जाओ, भीड़ बढ़ाने मत जाओ। उन्होंने कहा कि आयोजक दया सिंह ने इतने भक्तों की संख्या के बावजूद सुंदर व्यवस्था की है, दया सिंह जी का साधुवाद। भिलाई के कथास्थल पर प्रतिदिन सुबह से शाम तक लगभग 2 लाख से अधिक भक्त भोजन प्रसादी ले रहे हैं। साथ में संपूर्ण छत्तीसगढ़ शासन, भिलाई नगर के सभी विभाग के आला अधिकारी सबको धन्यवाद देता हूं कि आप सभी की मेहनत कथा को आज छठवें दिन तक लेकर आई है। सभी ने मिलकर कितनी अच्छी व्यवस्था की है।

बशिवकथा मनुष्य के कष्ट को दूर करना सिखाती है

पं. प्रदीप मिश्रा जी ने कहा कि कुछ लोग कहते हैं कि वो सीहोर वाला महाराज शिवमहापुराण में केवल उपाय-उपाय बताता रहता है, लेकिन सिर्फ सिहोर वाला महाराज नहीं, त्रेतायुग में श्री दशरथ जी महाराज ने, द्वापर में भगवान श्रीकृष्ण ने भी अपने गुरुजी से पूछा था कि मेरे घर में औलाद कैसे होगी। वेदव्यासजी ने कहा रामचरित मानस मनुष्य को जीना सिखाती है, श्रीमद् भागवत मृत्यु कैसा होना चाहिए बताती है और शिवमहापुराण कथा अपने दुखों को कैसे मिटाया जाय, कष्ट कैसे दूर किया जाय, यह सिखाती है। शिवमहापुराण कथा में वो शक्ति है, जो हर भक्त की पीड़ा को दूर करती है।

कलेक्टर जनदर्शन में 105 आवेदन प्राप्त हुए

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जिला कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देशानुसार डिप्टी कलेक्टर उत्तम ध्रुव ने जनदर्शन कार्यक्रम में पहुंचे जनसामान्य लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी।

उन्होंने जनदर्शन में पहुंचे सभी लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और समुचित समाधान एवं निराकरण करने संबंधित विभागों को शीघ्र कार्यवाही कर आवश्यक पहल करने को कहा। जनदर्शन में अवैध कब्जा, आवासीय पट्टा, प्रधानमंत्री आवास, भूमि सीमांकन कराने, आर्थिक सहायता राशि दिलाने सहित विभिन्न मांगों एवं समस्याओं से संबंधित आज 105 आवेदन प्राप्त हुए। जनदर्शन कार्यक्रम में ग्राम सभा नंदकठी एवं ग्रामवासियों ने बताया कि गांव की शासकीय चारागाह भूमि पर कुछ किसानों द्वारा धान और सब्जी की फसल बोई जा रही है, जिससे मवेशियों के लिए चारे की समस्या उत्पन्न हो गई है। चरवाहों ने पशुओं को चराने से इनकार कर दिया है, जिसके चलते मवेशी फसलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं।

ग्राम सभा में इस संबंध में बात रखी गई, जिसके उपरांत कुछ किसानों ने कब्जा हटाया, लेकिन अभी भी कुछ लोगों द्वारा अतिक्रमण जारी है। ग्रामवासियों ने अतिक्रमण हटाकर चारागाह भूमि को मुक्त कराने की मांग की है। इस पर डिप्टी कलेक्टर ने तहसीलदार दुर्ग को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

जलजनित मौसमी बिमारियों की रोकथाम हेतु लगातार अभियान जारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के वार्ड क्रं. 30 प्रगति नगर अंतर्गत शांति पारा टाट पट्टी मोहल्ला एवं वार्ड क्रं. 36 श्याम नगर अंतर्गत टाटा लाईन क्षेत्र में जलजनित मौसमी बिमारियों के रोकथाम हेतु निगम का विशेष दस्ता एवं जिला स्वास्थ्य विभाग की काम्बेक्ट की संयुक्त टीम द्वारा 86 घरों में जाकर 346 सदस्यों से संपर्क कर स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक पूछताछ की गई, पीलिया से प्रभावित नए केश निरंक है।

कुल 73 घरों में 1000 क्लोरिन टेबलेट जल शुद्विकरण हेतु वितरण किया गया। साथ ही सभी सदस्यों में जन जागरूकता लाने के उददेश्य से पानी उबालकर ठंडा कर सेवन करने एवं बाजार के बासी खादय पदार्थ का सेवन नहीं करने की स्वास्थ्य शिक्षा दी गई एवं पाम्पलेट वितरण किया गया।

वार्डो में मच्छर लार्वा नियंत्रण हेतु एक्यूगार्ड एवं वयस्क मच्छरो के रोकथाम हेतु मैलाथियान दवा का छिड़काव किया गया। कुल 275 कुलर, टंकी, कन्टेनर की जांच की गई, जिसमें 48 कुलरो में पुराना पानी भरा पाया गया, जिसे खाली कराया गया। मच्छर लार्वा नियंत्रण हेतु 73 कुलर में एक्यूगार्ड एवं व्यस्क मच्छरो के नियंत्रण हेतु 82 कुलर में मैलाथियान का छिड़काव किया गया। मोहल्ले में स्थित पक्की, कच्ची नालियों के जमा पानी में एक्यूगार्ड एवं मैलाथियान दवाई का छिड़काव कराया गया। इस दौरान वरिष्ठ स्वच्छता निरीक्षक के. के. सिंह, सुपरवाइजर सुदामा परगनिया, राजेश डहरे, जिला स्वास्थ्य विभाग से सीपीएम संजीव दुबे, बीईटीओ हितेन्द्र कोसरे, सेक्टर सुपरवाइजर विजय सेजुले, एएनएम राधिका भरद्वाज क्षेत्र के मितानीनो के साथ उपस्थित रहे।

रेशने आवास जलभराव प्रभावितों को 500 अतिरिक्त मिलेंगे

विधायक रिकेश ने बताया दो-तीन दिन में 6500 का मिलेगा चेक

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन द्वारा मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से रेशने आवास कोसा नगर जलभराव प्रभावितों के लिए पूर्व में 6-6 हजार रूपये की सहायता राशि घोषणा के बाद प्रभावित 62 परिवारों के लिए एक और खुशखबरी है। विधायक रिकेश सेन ने बताया कि सभी को रक्षाबंधन त्यौहार के मद्देनजर 5-5 सौ रूपये की अतिरिक्त राशि राहत के तौर पर अब जोड़ दी गई है। दो से तीन दिन के भीतर राहत राशि का चेक प्रभावित परिवारों को दे दिया जाएगा।

आपको बता दें कि जुलाई महीने में भारी वर्षा के दौरान कोसा नगर में जलभराव की स्थिति में अनेक लोगों के घर पानी जा घुसा था। इससे उनके घरेलू सामान को क्षति पहुंची थी, साथ ही पानी निकासी तक वहां के रहवासियों का जीवन अस्त व्यस्त रहा। विधायक रिकेश सेन ने तत्काल सभी प्रभावितों को राहत राशि के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से चर्चा की नतीजतन उन्होंने तत्काल सूचीबद्ध प्रभावित परिवारों को 6-6 हजार रूपये की राहत राशि दिए जाने की घोषणा की थी।

वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने बताया कि अगस्त माह से त्यौहारों का शुभारंभ हो गया है। आगामी दिनों रक्षाबंधन भी है। सरल हृदय हमारे मुख्यमंत्री की घोषणा पश्चात चूंकि जिला प्रशासन की सूची प्रेषित करने और राशि आबंटन में कुछ समय लगता है, अब सभी प्रभावितों के चेक लगभग बन गए हैं और वितरण भी दो दिन के भीतर प्रारंभ कर दिया जाएगा। त्यौहार को ध्यान रखते हुए 500 रूपये की अतिरिक्त राशि राहत मद में जोड़ कर दी जा रही है ताकि हमारी माताएं बहनें जलभराव से हुई क्षति को ठीक कराते हुए अतिरिक्त राशि से मिष्ठान्न भी ले सकें।

पीएमश्री विद्यालयों में अंशकालिक कोच के लिए आवेदन 12 अगस्त तक आमंत्रित

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत पीएमश्री योजना के तहत दुर्ग जिले के विभिन्न शासकीय विद्यालयों में अंशकालिक योग एवं खेल शिक्षक/कोच की सेवाएं ली जाएंगी। इसके लिए योग्य प्रशिक्षकों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। मिशन समन्वयक समग्र शिक्षा से प्राप्त जानकारी के अनुसार यह नियुक्ति 11 विद्यालयों शासकीय पीएमश्री प्राथमिक शाला जरवाय, रुआबांधा, पथरिया, बानबरद, गभरा, तथा स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल जामुल, कुम्हारी, अहिवारा, बोरी, नगपुरा और बालाजी नगर खुर्सीपार में की जाएगी। योग्य प्रशिक्षकों को 10 हजार रूपए प्रतिमाह मानदेय प्रदाय किया जाएगा। स्नातक शारीरिक शिक्षा डिग्री एवं योग शिक्षा संबंधित क्षेत्र में स्नातक की डिग्री एवं संबधित क्षेत्र में कार्य का अनुभव होना चाहिए। 12 अगस्त 2025 तक अपना आवेदन जिला परियोजना कार्यालय समग्र शिक्षा, दुर्ग में स्वयं या पंजीकृत डाक से कार्यालयीन समय में जमा कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री साय ने लिए कई ऐतिहासिक विकासशील निर्णयः दक्ष वैद्य

क्रिकेट अकादमी की स्थापना हेतु भूमि अवांटित, रेत के काले धंधों पर लगेगी रोक

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भाजपा युवा नेता एवं हिन्द सेना समाजसेवी संघठन युवा ब्रिगेड राष्ट्रीय अध्यक्ष दक्ष वैद्य ने कहा यशस्वी मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं उनके मंत्रिमंडल को समाज के हर वर्ग उत्थान के लिए कार्य कर रहे है,खिलाडियों,युवाओं,छात्रों, महिलाओं,किसानों,मजदूरों सभी वर्गो हितार्थ। दुनिया के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत की कल्पना को साकार करते हुए हमारा विकासशील छत्तीसगढ़ निरंतर आगे बढ़ रहा है।

भाजपा युवा नेता दक्ष वैद्य ने यह बातें विष्णु देव साय मंत्रिमंडल द्वारा हालिया लिए गए फैसलों को आधार बनाकर कही हैं। दक्ष वैद्य ने कहा है कि नई खनिज नीति से त्रिस्तरीय पंचायती राज की अर्थव्यवस्था को जहां मजबूती मिलेगी,वहीं गांव कस्बों की आधारभूत

जरूरतें भी पूरी होंगी। दक्ष वैद्य ने कहा है कि केंद्र सरकार के खनन मंत्रालय के नए दिशा निर्देशों एवं प्रधानमंत्री खनिज क्षेत्र कल्याण योजना की संशोधित गाइड लाइंस के अनुसार साय केबिनेट ने खनिज संस्थान न्यास नियम 2015 में संशोधन का निर्णय लेकर ऐतिहासिक कदम उठाया है। इसके तहत अब इस मद की न्यूनतम 70 प्रतिशत राशि पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि कल्याण, पर्यावरण संरक्षण, प्रदूषण नियंत्रण, महिला एवं बाल कल्याण, निशक्त जन एवं वृद्ध कल्याण, कौशल विकास, रोजगार, आवास, पशु पालन, स्वच्छता आदि पर खर्च की जाएगी।

दक्ष वैद्य ने कहा कि रेत खदानों की ई नीलामी से रेत के काले धंधे पर रोक लगेगी, लोगों को बहुत कम कीमत पर रेत मिलेगी। इससे निजी और सरकारी क्षेत्र के निर्माण कार्यों की लागत में काफी कमी आएगी। भाजपा युवा नेता दक्ष वैद्य ने कहा है कि साय सरकार के इस फैसले का असर अभी से नजर आने लगा है,बस्तर संभाग के सुकमा जिले में लगभग 45 लाख रुपए मूल्य की अवैध रेत पकड़ा जाना बताता है कि साय सरकार का यह फैसला भविष्य में और कितना असरकारी होगा। कृषि भूमि के बाजार मूल्य निर्धारण के फैसले को ऐतिहासिक और किसान हितैषी बताते हुए दक्ष वैद्य ने कहा है कि अब अधिग्रहण प्रभावित किसानों को पूरी तरह न्याय मिल सकेगा,उन्हें उनकी जमीन का वाजिब मुआवजा मिलेगा,भूमि विवाद से जुड़े अदालती मामलों में कमी आएगी। मुआवजा प्रकरणों में 500 मीटर रकबे की गणना को खत्म कर पूरी भूमि की गणना कर उसी आधार पर मुआवजा राशि संबंधित किसान को दी जाएगी।

दक्ष वैद्य ने कहा है कि भू अधिग्रहण के कई मामलों में किसान की थोड़ी बहुत जमीन जाती है, मगर पूरे रकबे का नुकसान हो जाता है,ऐसे में बची भूमि पर संबंधित किसान कृषि कार्य नहीं कर पाता और उसे बड़ा नुकसान होता है। नया नियम लागू होने से किसानों की एक बड़ी पीड़ा और समस्या दूर हो जाएगी।

छत्तीसगढ़ क्रिकेट संघ को क्रिकेट अकादमी की स्थापना के लिए नवा रायपुर अटल नगर सेक्टर -3 परसदा में 7.86 एकड़ भूमि आवंटित किए जाने संबंधी मंत्रिमंडल के फैसले पर भी दक्ष वैद्य ने खुशी जताई है,उन्होंने कहा है कि प्रस्तावित क्रिकेट अकादमी राज्य के खिलाडियों को राष्ट्रीय एवं अंतर राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में मददगार साबित होगा। भाजपा युवा नेता दक्ष वैद्य ने इन जनहितैषी फैसलों के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और सभी मंत्रियों का आभार व्यक्त करते हुए उन्हें साधुवाद दिया है।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Maa Durga Electronics
9827183839
Rohit Electronics
94242-02866
Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

नगर के विप्रजनों के लिए हुआ ब्राह्मण भोज का आयोजन

रायपुर। शिवरीनारायण मठ के पूर्वाचार्य महन्त लाल दास महाराज को श्रावण शुक्ल दशमी तिथि पर याद किया गया। उनकी पुण्य स्मृति में परंपरागत रूप से ब्राह्मण भोजन का आयोजन किया गया जिसमें नगर के सभी विप्रजन सम्मिलित हुए। इस अवसर पर भगवान की विशेष पूजा अर्चना की गई। भोग प्रसाद बनाने में महामंडलेश्वर राजेश्री महन्त रामसुन्दर दास जी महाराज ने स्वयं हाथ बटाया। दोपहर 12:30 बजे भगवान की विशेष पूजा अर्चना की गई। सभी ब्राह्मणों को भोजन के पश्चात तिलक लगाकर विदाई दी गई। इस कार्यक्रम में संत श्री रामगोपाल दास जी महाराज विशेष रूप से उपस्थित हुए।

अपने संदेश में राजेश्री महन्त महाराज ने कहा कि -महन्त लाल दास महाराज शिवरीनारायण मठ के पूर्वाचार्य थे। श्रावण शुक्ल दशमी को वे परलोक सिधार गए तब से उनकी स्मृति में शिवरीनारायण मठ में प्रत्येक वर्ष निर्धारित तिथि पर भोग भंडारा का आयोजन होता है, जिसमें नगर के सभी विप्र जन उपस्थित होते हैं। उन्होंने कहा कि यह सेवा का कार्य है जो परंपरागत रूप से संचालित हो रहा है। भोग भंडारा तैयार करने में सुखराम दास, त्यागी महाराज, चित्रकूट से पधारे हुए महात्मा जी एवं अनेक संत महात्माओं तथा मठ मंदिर के विद्यार्थियों ने सेवा का कार्य पूर्ण करने में सहयोग प्रदान किया। इस अवसर पर विशेष रूप से मठ मंदिर ट्रस्ट कमेटी के सदस्य बृजेश केसरवानी, राघवेंद्र प्रताप सिंह तथा निरंजन लाल अग्रवाल, पूर्णेन्द्र तिवारी, मीडिया प्रभारी निर्मल दास वैष्णव, ज्ञानेश शर्मा, पुरेंद्र सोनी सहित अनेक गणमान्य नागरिक गण उपस्थित थे। सेवा कार्य पूर्ण करने में राम तीरथ दास जी, राजीव त्रिपाठी, टुकाराम वर्मा, गणेश नेताम, भुजंगा, अंकित दुबे, दाऊराम साहू आदि के नाम उल्लेखनीय हैं।

छत्तीसगढ़ रेरा का अहम फैसला : रखरखाव शुल्क और विकास लागत का भुगतान करे आबंटी

रायपुर। छत्तीसगढ़ रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी ने एक महत्वपूर्ण निर्णय में एक आबंटी को लंबित रखरखाव शुल्क और विकास लागत प्रमोटर को भुगतान करने का आदेश दिया है। यह फैसला उन आबंटियों के लिए चेतावनी स्वरूप है, जो बार-बार सूचना देने के बावजूद अपने वित्तीय दायित्वों से बचते रहे हैं।

प्राधिकरण के अनुसार, संबंधित आवंटी को 75,600 रुपए की लंबित रखरखाव राशि तत्काल प्रमोटर को चुकानी होगी। रेरा ने स्पष्ट किया कि जब तक परियोजना का विधिवत हस्तांतरण हाउसिंग सोसायटी को नहीं हो जाता, रखरखाव की जिम्मेदारी प्रमोटर की होती है और इस अवधि के लिए शुल्क का भुगतान करना आबंटी का दायित्व है। इसके अतिरिक्त, आदेश में यह भी कहा गया है कि आबंटी को 4लाख 77 हजार 744 रुपए की एकमुश्त विकास लागत भी प्रमोटर को अदा करनी होगी। यह राशि समझौते के अनुसार देय थी, जिसकी कई बार सूचना देने के बावजूद आबंटी द्वारा भुगतान नहीं किया गया।

सीजी रेरा ने कहा कि इस प्रकार के मामलों में यदि आबंटी अपने दायित्वों से बचते हैं तो इससे प्रमोटरों की परियोजना संचालन प्रक्रिया बाधित होती है। और यह रियल एस्टेट अधिनियम के प्रावधानों के विरुद्ध है। रेरा ने अपने आदेश में इस बात पर जोर दिया कि वित्तीय पारदर्शिता और जवाबदेही रियल एस्टेट सेक्टर की मजबूती के लिए अनिवार्य है। यह आदेश इस दिशा में एक दृढ़ कदम है जो आबंटितियों को वित्तीय अनुशासन अपनाने और प्रमोटरों को उनके वाजिब अधिकार दिलाने की दिशा में मददगार साबित होगा।

स्वरांजलि बनी महाराष्ट्र मंडल के अंताक्षरी स्पर्धा की विजेता

मैराथन संगीतमय स्पर्धा में उप विजेता रही झंकार बिट्स, तीसरे स्थान पर मैत्री ग्रुप को करना पड़ा संतोष

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। महाराष्ट्र मंडल की ओर से आयोजित सर्व समाज नगर स्तरीय अंताक्षरी प्रतियोगिता में महा फाइनल मुकाबले में स्वरांजलि गुप ने शानदार खिताबी जीत दर्ज की गई। मुख्य अतिथि नि:शक्तजन वित्त व विकास निगम के अध्यक्ष लोकेश कावडिया ने बतौर विजेता स्वरांजलि ग्रुप को विनर कप, चार हजार रुपये नकद, स्मृति चिन्ह और प्रमाण पत्र प्रदान किया।

स्वरांजलि ने कड़ी टक्कर में झंकार बिट्स को 200 अंकों से हराकर चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। उपविजेता के रूप में झंकार बिट्स को तीन हजार रुपये नकद, रनरअप कप, स्मृति चिन्ह के साथ सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र सौंपे गए। मैत्री ग्रुप तीसरे स्थान पर रही। उन्हें दो हजार रुपये नकद के साथ कप, स्मृति चिन्ह और प्रमाण पत्र विशेष अतिथि सीए विकास जैन और वरिष्ठ सभासद शशि वरवंडकर ने मंडल अध्यक्ष अजय मधुकर काले व सचिव चेतन दंडवते के साथ दिया।

नगर स्तरीय अंताक्षरी स्पर्धा की संयोजिका मंडल उपाध्यक्ष गीता दलाल के अनुसार सुबह 9 बजे मंडल के वरिष्ठ सभासद विजय निमोणकर के दीप प्रज्जवलन से शुरू हुई स्पर्धा में पांच राउंड में छह विजेता स्वरांजलि, झंकार बिट्स, शिवरंजनी, सप्तसुर, तितली ग्रुप और मैत्री ग्रुप फाइनलिस्ट के तौर अंतिम महा मुकाबले के लिए पहुंचीं। चौथा राउंड टाई होने के कारण दो टीमों को फाइनल में स्थान दिया गया। पहला राउंड झंकार बिट्स, सुरमयी श्रृंखला, रास ग्रुप, तराना ग्रुप, राग राइडर्स

और दिव्यांग बालिका ग्रुप के बीच खेला गया। जिसमें 650 अंकों के साथ झंकार बिट्स विजेता रहीं। दूसरा राउंड शिवरंजनी, अरपा पैरी, सुर संतृप्ति, हमसे है जमाना, सावन आया है और सरगम ग्रुप के बीच खेला गया। इसमें 900 अंकों के साथ शिवरंजनी ग्रुप विजेता रही। तीसरा राउंड आरोही ग्रुप, श्रावणी ग्रुप, स्वरांजलि, अवंतिका और स्वर सजनी के बीच खेला गया। इसमें 850 अंकों के साथ स्वरांजलि ग्रुप विजेता बनीं।

प्रतियोगिता में सर्वाधिक रोमांचक चौथे राउंड रहा। इसमें गीत मंजिरी, गुंजन, तितली, निमया (सेवा जतन) फाउंडेशन, सप्तसुर और स्वरागिनी ग्रुप के बीच खेला गया। जिसमें सप्तसुर और तितली ग्रुप के बीच स्पर्धा 1500- 1500 अंकों के साथ टाई रही। अत: दोनों ही टीमों को फाइनल में स्थान दिया गया। स्पर्धा का पांचवें व अंतिम राउंड में मैत्री ग्रुप ने 1050 अंक हासिल कर जीत दर्ज की।

हॉफ बिजली बिल योजना : सरकार ने किया छूट सीमा में संशोधन, 400 की जगह 100 यूनिट पर मिलेगी रियायत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य सरकार द्वारा हॉफ बिजली बिल योजना के अंतर्गत दी जाने वाली छूट की सीमा में युक्तियुक्त संशोधन किया गया है। अब प्रतिमाह दी जाने वाली 400 यूनिट की छूट के स्थान पर 100 यूनिट तक की मासिक खपत पर 50 प्रतिशत रियायत दी जाएगी।

राज्य सरकार ने स्पष्ट किया है कि वर्तमान में 45 लाख घरेलू उपभोक्ताओं में से लगभग 31 लाख परिवार (करीब 70%) ऐसे हैं जिनकी खपत 100 यूनिट प्रतिमाह से अधिक नहीं है। हॉफ बिजली बिल की छूट सीमा के इस पुनरीक्षण के बावजूद इन 31 लाख जरूरतमंद सामान्य एवं कमजोर वर्ग के उपभोक्ता परिवारों को योजना का लाभ पहले की ही तरह मिलता रहेगा। प्रदेश के लगभग 70 प्रतिशत घरेलू उपभोक्ता परिवार हॉफ बिजली योजना से पूर्ववत् लाभान्वित होते रहेंगे।

सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि 31 लाख परिवारों में 15 लाख बीपीएल (गरीबी रेखा से नीचे) परिवार भी शामिल हैं, जिन्हें पूर्ववत् हॉफ बिजली बिल योजना का लाभ मिलता रहेगा। इन परिवारों को 30 यूनिट तक की मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत पहले की तरह प्राप्त होती रहेगी, साथ ही वे हॉफबिजली बिल योजना के अन्य सभी लाभों से भी यथावत् लाभान्वित रहेंगे। राज्य सरकार गरीब परिवारों को बिजली खर्च में राहत देने के लिए प्रतिबद्ध है।

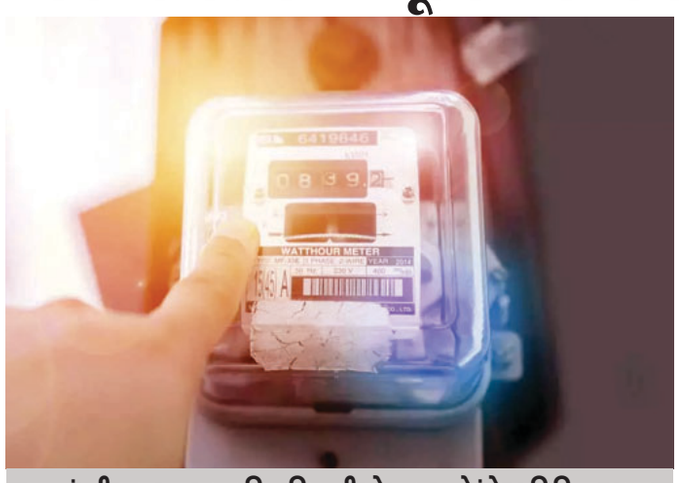

स्वयं की छत पर उत्पादित बिजली से कर सकेंगे अतिरिक्त आय

रूफटॉप सोलर प्लांट स्थापित करने वाले उपभोक्ता अपनी छत पर उत्पादित बिजली का उपयोग करने के साथ-साथ शेष बिजली को ग्रिड में प्रवाहित कर अतिरिक्त आय भी अर्जित कर सकेंगे। प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना के अंतर्गत 25 प्रतिशत शेष लागत उपभोक्ता स्वयं वहन कर सकते हैं, या फिर बैंक से न्यूनतम ब्याज दर पर ऋण प्राप्त कर सकते हैं। इस ऋण की मासिक किस्त लगभग 800 होगी, जो कि वर्तमान में 400 यूनिट पर देय औसत बिजली बिल 1000 से भी कम है। इस प्रकार, उपभोक्ता अपने मासिक बिजली बिल को कम करते हुए भविष्य में आत्मनिर्भर ऊर्जा उत्पादक बन सकते हैं। यह कदम न केवल आर्थिक रूप से लाभकारी है, बल्कि पर्यावरणीय दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण है। राज्य सरकार का यह निर्णय गरीब और मध्यमवर्गीय उपभोक्ताओं को राहत देने, तथा उन्हें ऊर्जा आत्मनिर्भरता की ओर प्रेरित करने का एक सशक्त और दूरदर्शी प्रयास है। यह योजना राज्य को स्वच्छ ऊर्जा, आत्मनिर्भरता और आर्थिक बचत के पथ पर अग्रसर करेगी।

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना को गति

राज्य सरकार प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना को गति दे रही है, जिसके अंतर्गत 3 किलोवॉट या उससे अधिक क्षमता के रूफटॉप सोलर प्लांट की स्थापना पर केंद्र सरकार से 78,000 तथा राज्य सरकार से 30,000 की कुल 1,08,000 तक की सब्सिडी दी जा रही है। 2 किलोवॉट क्षमता के सोलर प्लांट पर 75% (90,000) का अनुदान उपलब्ध है, जिससे उपभोक्ता प्रतिमाह 200 यूनिट से अधिक बिजली का उत्पादन कर सकते हैं। यह उत्पादन वर्तमान में हॉफ बिजली बिल योजना से मिलने वाली अधिकतम छूट (400 यूनिट पर 200 यूनिट की छूट) से भी अधिक है। 400 यूनिट तक औसत खपत करने वाले उपभोक्ताओं का बिजली बिल आमतौर पर 1000 से अधिक होता है, जो सोलर प्लांट की स्थापना के बाद लगभग शून्य हो जाएगा। इस प्रकार के उपभोक्ता हॉफ बिजली बिल योजना से मुफ्त बिजली बिल योजना की ओर अग्रसर होंगे, और दीर्घकालिक बचत प्राप्त करेंगे।

राजिम मेला को मिलेगा नया रूप

20 करोड़ 23 लाख की लागत से विकसित होंगे स्नान घाट, प्लेटफार्म और आरती स्थल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के जलसंसाधन विभाग द्वारा गरियाबंद जिले के फिंगेश्वर विकासखंड स्थित प्रसिद्ध राजिम मेला के विकास हेतु 20 करोड़ 23 लाख 50 हजार रुपये की द्वितीय पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है। यह राशि महानदी तट पर श्रद्धालुओं की सुविधा और धार्मिक आयोजन के बेहतर प्रबंधन के लिए मंजूर की गई है। इस परियोजना के तहत 480 मीटर लंबाई में स्नान प्लेटफार्म, गंगा आरती घाट, शाही स्नान कुण्ड और सीढियों का निर्माण किया जाएगा, जो चौबेबांचा पुल तक फैला होगा। यह राशि राज्य योजना के बजट शीर्ष 'महानदी परियोजना' के अंतर्गत खर्च की जाएगी।

राज्य शासन का उद्देश्य राजिम मेले को और अधिक सुव्यवस्थित तथा श्रद्धालुओं के लिए सुविधाजनक बनाना है। इस दिशा में यह विकास कार्य एक महत्वपूर्ण कदम है। शासन का प्रयास है कि धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजनों के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे को सशक्त किया जाए, जिससे राज्य की सांस्कृतिक विरासत को और अधिक समृद्ध किया जा सके।

अखंड ब्राह्मण समाज का तीज मिलन 13 को, 16 को युवक-युवती परिचय सम्मेलन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। अखंड ब्राह्मण समाज सेवा समिति की मासिक बैठक में आगामी आयोजनों को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। जिसमें 13 अगस्त की शाम 4 बजे से वृंदावन हॉल, सिविल लाइंस में तीज मिलन समारोह का आयोजन किया जाएगा, जिसमें समाज की बहन-बेटियों की गरिमामयी सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। इसके अलावा 16 नवंबर 2025 को राष्ट्रीय स्तर पर युवक-युवती कात्यायनी एवं परित्यक्त वैवाहिकी परिचय सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा।

यह सम्मेलन उन युवक-युवतियों के लिए विशेष रूप से समर्पित होगा जो योग्य वर-वधू की तलाश में हैं, विशेष रूप से परित्यक्त, विधुर, विधवा वर्ग के लिए भी यह मंच उपयोगी सिद्ध होगा। बैठक की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष आचार्य योगेश तिवारी ने की।

इस अवसर परश्रीमती सुनीता तिवारी,श्रीमती सविता वीरेंद्र शर्मा श्रीमती उमा तिवारी,श्रीमती निवेदिता मिश्रा,अमित मिश्रा,प्रदीप मिश्रा,शशांक खरे,सुधीर तिवारी,जितेंद्र पांडेय,डॉक्टर मल्लिका मिश्रा,श्रीमती लता पांडेय ,श्रीमती साधना शुक्ला,श्रीमती सुभद्रा तिवारी,श्रीमती लक्की दुबे,डॉक्टर अनुश्री पाठक,आरती शर्मा, विभिन्न पदाधिकारी एवं सदस्यगण उपस्थित थे। उपरोक्त जानकारी मीडिया प्रभारी शशांक खरे ने दिया।

लेखिका जया बनीं अध्यक्ष, वंदना और दिलशाद उपाध्यक्ष

छत्तीसगढ़ में जन संस्कृति मंच की रायपुर इकाई का हुआ पुर्नगठन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में जन संस्कृति मंच की रायपुर इकाई का पुर्नगठन कर दिया गया है। तीन अगस्त रविवार को शंकर नगर स्थित कार्यालय में आयोजित की गई एक बैठक में लोकतंत्र, न्याय और समानता के लिए कार्यरत प्रतिबद्ध लेखिकाओं और संस्कृतिकर्मियों के हाथों में जसम रायपुर की कमान सौंपी गई। समाज की तरह कला और साहित्य के क्षेत्र में भी पुरुष वर्चस्व को तोड़ते हुए जसम रायपुर ने स्त्री लेखिकाओं और कलाकारों की अग्रणी नेतृत्वकारी भूमिका को स्वीकार करते हुए संगठन में उन्हें महत्वपूर्ण स्थान दिया है। देश की नामचीन लेखिका जया जादवानी को सर्व सम्मति से रायपुर जसम का अध्यक्ष चुन लिया गया है. बताना लाजिमी होगा कि अपनी विशिष्ट लेखन शैली के चलते जया जादवानी ने अपना एक खास मुकाम बनाया है। उनकी अब तक पच्चीस से ज्यादा किताब प्रकाशित हो चुकी हैं और हर किताब किसी न किसी रुप में विमर्श के केंद्र में रही हैं।

प्रसिद्ध लेखिका वंदना कुमार एवं दिलशाद सैफी को उपाध्यक्ष बनाया गया है, वहीं लोककला के क्षेत्र में कार्यरत डॉ.संजू पूनम को कोषाध्यक्ष

नियुक्त किया गया है। सांस्कृतिक टीम की जिम्मेदारी अंचल की ख्यातिलब्ध शास्त्रीय गायिका वर्षा बोपचे और सुनीता शुक्ला को दी गई है। युवा आलोचक इंद्र कुमार राठौर दूसरी बार सचिव बनाए गए जबकि युवा कवि प्रोफेसर अजय शुक्ला सह-सचिव नियुक्त किए गए हैं।

छत्तीसगढ़ में जसम के समन्वयक नामचीन आलोचक प्रोफेसर सियाराम शर्मा और संस्कृतिकर्मी राजकुमार सोनी को संरक्षक नियुक्त किया गया है। नई कार्यकारिणी में जसम की राष्ट्रीय परिषद और कार्यकारिणी में शामिल लेखिका रूपेंद्र तिवारी,लेखक-पत्रकार समीर दीवान, सनियारा खान,युवा आलोचक भुवाल सिंह ठाकुर, नामचीन शायर जावेद नदीम नागपुरी, आलिम नकवी, सिरिल साइमन, आफ़क अहमद, मीसम हैदरी, मोहित जायसवाल, नरोत्तम शर्मा, डॉ. रामेश्वरी दास, अखिलेश एडगर, भागीरथी वर्मा, नरेश कुमार साहू, प्रतीक कश्यप और चित्रकार सर्वज्ञ नायर को शामिल किया गया है।

सफाई कार्य की समीक्षा : अपर आयुक्त स्वास्थ्य ने दिए अहम निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। महापौर मीनल चौबे, स्वास्थ्य विभाग अध्यक्ष गायत्री सुनील चंद्राकर, आयुक्त विश्वदीप के निर्देश पर नगर पालिक निगम अपर आयुक्त स्वास्थ्य विनोद पाण्डेय नगर निगम के जोन कार्यालयों में जाकर जोन कमिश्नरों, स्वच्छ भारत मिशन के नोडल अधिकारी कार्यपालन अभियंता रघुमणि प्रधान, जोन स्वास्थ्य अधिकारी, स्वच्छता निरीक्षकों, वार्ड सफाई सुपरवाइजरों, रामकी कम्पनी के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में जोन क्षेत्र अंतर्गत वार्डों के सफाई कार्य की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश जोन कमिश्नरों और जोन स्वास्थ्य अधिकारियों, रामकी कम्पनी के प्रतिनिधियों को दे रहे हैं।

नगर निगम अपर आयुक्त स्वास्थ्य विनोद पाण्डेय ने जोन क्रमांक 9 कार्यालय में जोन 9 जोन कमिश्नर संतोष पाण्डेय और स्वच्छ भारत मिशन के नोडल अधिकारी कार्यपालन अभियंता रघुमणि

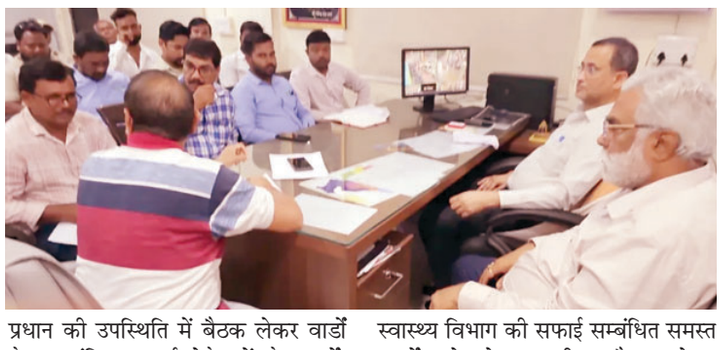

प्रधान की उपस्थिति में बैठक लेकर वार्डों के अनुबंधित सफाई ठेकेदारों के कार्यों, सफाई ठेका कामगारों की वार्डवार निर्धारित संख्या, दैनिक उपस्थिति की जानकारी लेकर प्रतिदिन शत- प्रतिशत संख्या में सफाई ठेका कामगारों की कार्य पर उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

यहां यह उल्लेखनीय है कि महापौर, स्वास्थ्य विभाग अध्यक्ष, आयुक्त के निर्देश पर नगर निगम अपर आयुक्त स्वास्थ्य ने विगत दिवस हाल ही में नगर निगम के जोन क्रमांक 1,2,3,4,5,6,7 के कार्यालय में स्वास्थ्य विभाग की सफाई सम्बंधित समस्त कार्यों को लेकर समीक्षा बैठक लेकर सम्बंधित जोन कमिश्नरो और जोन स्वास्थ्य अधिकारियों सहित जोन के सम्पूर्ण स्वच्छता अमले को आवश्यक निर्देश दिए हैं।

सफाई कार्य समीक्षा करते हुए अपर आयुक्त स्वास्थ्य विनोद पाण्डेय ने निर्देश दिए हैं कि रायपुर नगर पालिक निगम क्षेत्र में कहीं पर भी कोई मुक्कड़ नहीं दिखना चाहिए। रायपुर शहर गार्बेज फ्री सिटी में छत्तीसगढ़ राज्य का पहला 7 स्टार शहर है। अपर आयुक्त स्वास्थ्य ने रामकी कम्पनी के प्रतिनिधियों को निर्देश दिए है कि रायपुर नगर पालिक निगम के तहत समस्त 10 जोनों के तहत सभी 70 वार्डों के क्षेत्रों के अंतर्गत समस्त घरों से प्रतिदिन नियमित शत-प्रतिशत डोर टू डोर कचरा कलेक्शन की व्यवस्था प्राथमिकता से सुनिश्चित की जाये।

अपर आयुक्त स्वास्थ्य ने निर्देश दिए हैं कि रामकी कम्पनी के सफाई सुपरवाइजर प्रतिदिन डोर टू डोर कचरा कलेक्शन की मॉनिटरिंग करके सभी घरों से डोर टू डोर कचरा कलेक्शन किया जाना सुनिश्चित करें और सम्बंधित जोन के वार्ड सफाई सुपर वाइजर नियमित मॉनिटरिंग करें कि रामकी कम्पनी द्वारा सभी घरों से प्रतिदिन नियमित डोर टू डोर कचरा कलेक्शन किया जा रहा है अथवा नहीं। यदि रामकी कम्पनी प्रतिदिन नियमित डोर टू डोर कचरा कलेक्शन कर रही है, तो सड़कों पर प्रतिदिन कचरा क्यों दिख रहा है। यदि कहीं पर भी रायपुर नगर निगम के किसी भी क्षेत्र में घरों और आवासीय परिसरों को छोड़कर डोर टू डोर कचरा कलेक्शन हो रहा है, तो सभी घरों से डोर टू डोर कचरा कलेक्शन का कार्य प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित किया जाये।

अवैध कब्जा हटाया

नगर निगम जोन 1 नगर निवेश विभाग द्वारा अभियान चलाकर जोन 1 अंतर्गत गोगांव मुख्य मार्ग में नाली के ऊपर कब्जा जमाकर किये गए अवैध निर्माण को जेसीबी मशीन की सहायता से तोड़ने की कार्यवाही की गयी। इसी प्रकार रायपुर नगर पालिक निगम के जोन क्रमांक 9 के नगर निवेश विभाग द्वारा नगर निगम आयुक्त विश्वदीप के निर्देश पर जोन 9 जोन कमिश्नर संतोष पाण्डेय के मार्गनिर्देशन और कार्यपालन अभियंता अंशुल शर्मा सीनियर, सहायक अभियंता ओपी वर्मा, उपअभियंता आशुतोष पाण्डेय की उपस्थिति में नगर निगम जोन 9 अंतर्गत कुशाभाऊ ठाकरे वार्ड क्रमांक 7 क्षेत्र अंतर्गत तालाब के पास अभियान चलाकर अवैध कब्जा हटाने की कार्यवाही की गई।

तालाब के पास अवैध कब्जा हटाया

रायपुर। निगम आयुक्त विश्वदीप के निर्देश पर जोन 1 जोन कमिश्नर डॉ. दिव्या चंद्रवंशी के मार्गनिर्देशन और कार्यपालन अभियंता डीके पैकरा सहित जोन 1 नगर निवेश विभाग के सम्बंधित अधिकारियों की उपस्थिति में जोन 1 नगर निवेश विभाग द्वारा अभियान चलाकर जोन 1 अंतर्गत गोगांव मुख्य मार्ग में नाली के ऊपर कब्जा जमाकर किये गए अवैध निर्माण को जेसीबी मशीन की सहायता से तोड़ने की कार्यवाही की गयी. इसी प्रकार रायपुर नगर पालिक निगम के जोन क्रमांक 9 के नगर निवेश विभाग द्वारा नगर निगम आयुक्त विश्वदीप के निर्देश पर जोन 9 जोन कमिश्नर संतोष पाण्डेय के मार्गनिर्देशन और कार्यपालन अभियंता अंशुल शर्मा सीनियर, सहायक अभियंता ओपी वर्मा, उपअभियंता आशुतोष पाण्डेय की उपस्थिति में नगर निगम जोन 9 अंतर्गत कुशाभाऊ ठाकरे वार्ड क्रमांक 7 क्षेत्र अंतर्गत तालाब के पास अभियान चलाकर अवैध कब्जा हटाने की कार्यवाही की गई।

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने बताया कि उनके 'गैर-फिल्मी' दिन कैसे होते हैं

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना, जिन्हें नेशनल क्रश का खिताब मिला है, ने अपनी ज़िंदगी के उस दिन की एक झलक दिखाई है जब वह फिल्मांकन के अलावा कुछ और कर रही होती हैं। अपने ऑफडे के बारे में जानकारी देते हुए, रश्मिका ने बताया कि जिन दिनों में फिल्मांकन नहीं होता, मैं आराम करने की कोशिश करती हूँ।

मेरी सुबह की शुरुआत डायरी लिखने से होती है। मैं अब भी नियमित रूप से अपनी डायरी लिखती हूँ। इससे मुझे वर्तमान और कृतज्ञता का एहसास होता है। मैं अपने कुत्ते के साथ समय बिताती हूँ, टहलने जाती हूँ, किताबें पढ़ती हूँ या उन शोज को देखती हूँ जिन्हें मैंने मिस किया है।

अभिनेत्री ने कहा कि कभी-कभी वह किसी ब्रांड कॉल पर होती हैं या डियर डायरी पर काम कर रही होती हैं, क्योंकि एक संस्थापक के रूप में मैं बहुत सक्रिय हूँ। लेकिन फिर भी, मैं अपने परिवार, प्रकृति या सिर्फ अपने साथ कुछ शांत पल निकालने की कोशिश करती हूँ। हाल ही में शेखर कम्मुला द्वारा निर्देशित क्राइम थ्रिलर कुबेर में नजर आईं अभिनेत्री ने कहा, ये वो पल हैं जो मेरे प्याले को फिर से भर देते हैं।

इस फिल्म में नागार्जुन अक्किनेनी, धनुष, जिम सर्भ और दलीप ताहिल मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह एक भिखारी के बारे में है जो एक नाटकीय परिवर्तन से गुजरता है। फिल्म लालच, महत्वाकांक्षा और पात्रों के सामने आने वाली नैतिक दुविधाओं के विषयों की पड़ताल करती है, जो अंततः मुक्ति की खोज की ओर ले जाती है। अभिनेत्री की अगली फिल्म द गर्लफ्रेंड रिलीज के लिए तैयार है। आगामी तेलुगु फिल्म का निर्देशन राहुल रवींद्रन ने किया है। इसके अलावा, 29 वर्षीय स्टार के पास आयुष्मान खुराना अभिनीत थामा भी है, जिसे खूनी पृष्ठभूमि पर आधारित एक मनोरंजक प्रेम कहानी बताया जा रहा है।

विक्रांत ने शाहरुख, रानी मुखर्जी के साथ 'सर्वश्रेष्ठ अभिनेता' का खिताब साझा करने पर की टिप्पणी

71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार के विजेता आ गए हैं! विक्रांत मैसी ने शाहरुख खान के साथ सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार साझा किया, रानी मुखर्जी को मिसेज चटर्जी वर्सेस नॉर्वे के लिए सम्मानित किया गया, जबकि करण जौहर ने शेरशाह और ब्रह्मास्त्र के बाद रॉकी और रानी की प्रेम कहानी के लिए लगातार तीसरा राष्ट्रीय पुरस्कार जीता। सेलेब्स ने उनकी इस बड़ी जीत पर आभार व्यक्त करना और खुशी व्यक्त करना शुरू कर दिया है।

12वीं फेल होने के बावजूद अपना पहला राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीतने वाले विक्रांत मैसी ने बोर्ड और निर्देशक विधु विनोद अपना पुरस्कार हाशिए पर पड़े लोगों को समर्पित किया। उनके आधिकारिक बयान के एक अंश में लिखा है, आज, अगर मैं ऐसा कहूँ तो, एक 20 साल के लड़के का सपना सच हो गया है। मैं दर्शकों का हमेशा आभारी रहूँगा कि उन्होंने मेरे अभिनय को सराहा और इस फिल्म को इतने प्यार से सराहा। शाहरुख खान जैसे दिग्गज के साथ अपना पहला राष्ट्रीय पुरस्कार साझा करना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। अंत में, मैं यह पुरस्कार हमारे समाज के सभी हाशिए पर पड़े लोगों को समर्पित करता हूँ - जिन्हें अक्सर नजरअंदाज किया जाता है, और जो हर दिन हमारे देश की सामाजिक-आर्थिक स्थिति से जूझ रहे हैं।

रानी मुखर्जी ने 'सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री' का पुरस्कार जीता, इसे 30 साल के काम का प्रमाण बताया रानी मुखर्जी ने अपना पहला राष्ट्रीय पुरस्कार जीतने पर अपना बयान जारी किया। उन्होंने अपने काम को सम्मानित करने के लिए जूरी का धन्यवाद किया। उनके बयान का एक अंश इस प्रकार है, मिसेज चटर्जी वर्सेस नॉर्वे में अपने अभिनय के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार जीतकर मैं अभिभूत हूँ। संयोग से, यह मेरे 30 साल के करियर का पहला राष्ट्रीय पुरस्कार है। एक कलाकार के रूप में, मैं भाग्यशाली रही हूँ कि मेरे काम में कुछ अद्भुत फिल्में शामिल हैं और मुझे उनके लिए बहुत प्यार मिला है। मैं मिसेज़ चटर्जी वर्सेस नॉर्वे में मेरे काम को सम्मानित करने के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार निर्णायक मंडल का धन्यवाद करती हूँ।

इसके अलावा, उन्होंने लिखा, मेरे लिए, यह पुरस्कार मेरे 30 साल के काम, मेरे काम के प्रति मेरे समर्पण, जिसके साथ मैं एक गहरा आध्यात्मिक जुड़ाव महसूस करती हूँ, और सिनेमा और हमारे इस खूबसूरत फिल्म उद्योग के प्रति मेरे जुनून का भी प्रमाण है। मैं अपना राष्ट्रीय पुरस्कार इस दुनिया की सभी अद्भुत माताओं को समर्पित करती हूँ। रानी ने अंत में कहा, मुझे लगता है कि यह सही समय है कि मैं दुनिया भर के अपने सभी प्रशंसकों का एक बार फिर शुक्रिया अदा करूं, जिन्होंने इन 30 सालों में हर अच्छे-बुरे समय में मेरा लगातार साथ दिया है! आपका बिना शर्त प्यार और समर्थन ही वह सब कुछ है जिसकी मुझे प्रेरित रहने, हर दिन काम पर आने और आपका मनोरंजन करने वाले प्रदर्शन करने के लिए जरूरत थी। आपने हर भूमिका, हर चरित्र, हर कहानी को अपनाया है जिसे जीवंत करने का मुझे सौभाग्य मिला है। इसलिए, आपके बिना मैं आज कुछ भी नहीं होती।

एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर ने बताया, 'छोटी सी रस्म' में फिल्में देखने का असली जादू

मृणाल ठाकुर ने खुलासा किया कि उनकी छोटी सी रस्म अपने प्रशंसकों के साथ अपनी फिल्में देखना है। बॉलीवुड अभिनेत्री ने अपनी हालिया रिलीज सन ऑफ सरदार 2 एक थिएटर में देखी और इसे असली जादू बताया। मृणाल ने प्रशंसकों के साथ फिल्म देखते हुए अपना एक वीडियो इंस्टाग्राम पर साझा किया। इस क्लिप में वह पहले दूजा तू गाने पर थिरकती और स्क्रीनिंग के बाद दर्शकों की प्रतिक्रिया लेकर और तस्वीरें खिंचवाकर उनसे जुड़ती नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने बताया कि यह छोटी सी रस्म उनकी 2022 की ब्लॉकबस्टर सीता रामम से शुरू हुई थी।

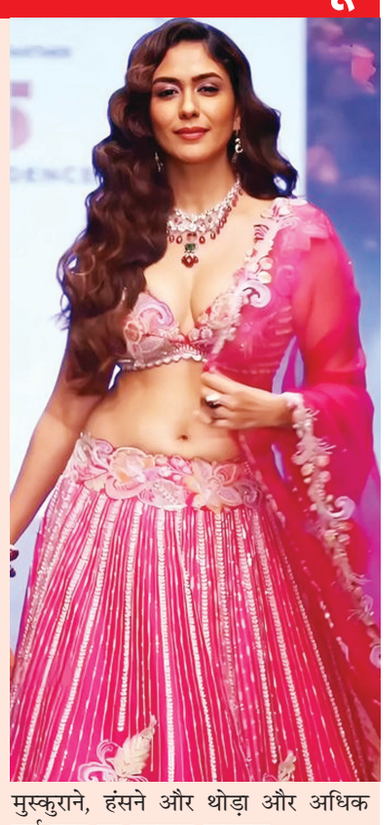

उन्होंने साझा किया: सीता रामम के बाद से, मैं आप सभी के साथ सिनेमाघरों में फिल्म देखने की इस छोटी सी रस्म को निभाती आ रही हूँ। क्योंकि सच में, असली जादू तब होता है जब मैं आपकी हँसी, आपकी जयकार, आपके प्यार को हॉल में गूँजते हुए सुनती हूँ। उस पल में आपकी ऊर्जा को महसूस करने से बड़ा हमारी कड़ी मेहनत का कोई इनाम नहीं है। अगर आपने अभी तक सिनेमाघरों में एसओएस 2 नहीं देखी है तो जरूर देखें। और मुझे उम्मीद है कि यह आपको मुस्कुराने, हंसने और थोड़ा और अधिक पूर्ण हृदय का एहसास कराएगा।

अभिनेत्री नेहा धूपिया का संदेश, 'मां बनने पर शर्मिंदा नहीं होना चाहिए'

बॉलीवुड अभिनेत्री और मातृ अधिकारों की पैरोकार, नेहा धूपिया, जो विश्व स्तनपान सप्ताह 2025 के लिए अपनी पहल फ्रीडम टू फीड को और आगे बढ़ाने वाली हैं, ने कहा कि किसी भी महिला को अपने बच्चे को दूध पिलाने के लिए शर्मिंदा नहीं होना चाहिए।

2019 में शुरू किया गया, फ्रीडम टू फीड नेहा के मातृत्व के व्यक्तिगत सफर और बिना किसी कलंक, शर्म या आलोचना के सार्वजनिक स्तनपान को सामान्य बनाने की उनकी इच्छा से उपजा है। इस अभियान को फिर से शुरू करने के बारे में बात करते हुए, नेहा ने कहा: जब मैंने पहली बार फ्रीडम टू फीड शुरू किया था, तो यह मेरे गहरे निजी अनुभव से उपजा था - उस समय जब मैं असुरक्षित, आलोचना और अलग-थलग महसूस कर रही थी, जो मेरे जीवन का सबसे स्वाभाविक और सशक्त समय होना चाहिए था।

पिछले कुछ वर्षों में, मुझे एहसास हुआ है कि कितनी ही महिलाओं ने ऐसा ही महसूस किया है, और जब हम अपनी कहानियाँ साझा करने के लिए एक साथ आते हैं तो यह कितना शक्तिशाली हो सकता है। इस साल, मैं इस बातचीत को और भी जोरदार, और भी ईमानदार बनाना चाहती हूँ।

क्योंकि किसी भी महिला को अपने बच्चे को दूध पिलाने के लिए शर्मिंदा नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह चुनाव, गरिमा और सम्मान के बारे में है। और अब समय आ गया है कि हम सब इसके लिए खड़े हों। 2018 में, नेहा ने पूर्व भारतीय क्रिकेट कप्तान बिशन सिंह बेदी के बेटे, अभिनेता अंगद बेदी से एक गुरुद्वारे में एक निजी समारोह में शादी की। उसी साल नवंबर में, उन्होंने मेहर धूपिया बेदी नाम की एक बेटी को जन्म दिया।

घर पर चाकू को तेज करने के लिए अपनाएं ये आसान तरीके

रसोई के कामों के लिए एक तेज धार वाला चाकू बहुत जरूरी होता है। हालांकि, समय के साथ चाकू की धार कम हो जाती है, जिससे काटने में दिक्कत होती है। ऐसे में चाकू की धार फिर से तेज करने के लिए आप कुछ आसान और प्रभावी तरीके अपना सकते हैं। इन तरीकों से आप अपने चाकू को बिना किसी परेशानी के घर पर ही तेज कर सकते हैं। आइए इनके बारे में जानते हैं।

कांच की बोतल का करें इस्तेमाल

कांच की बोतल से चाकू तेज करना एक आसान और सुरक्षित तरीका है। इसके लिए सबसे पहले एक खाली कांच की बोतल लें और उसे उल्टा करके उसके तले को चाकू से रगड़ें। इससे चाकू की धार वापस आ जाएगी। ध्यान रहें कि बोतल को मजबूती से पकड़ें ताकि वह टूट न जाए। इस तरीके से आप बिना किसी खतरे के अपने चाकू को आसानी से तेज कर सकते हैं।

टाइल्स का करें उपयोग

टाइल्स का इस्तेमाल करके भी चाकू को आसानी से तेज किया जा सकता है। इसके लिए किसी पुरानी टाइल को लें और उसके खुरदरे हिस्से पर चाकू को कुछ मिनट रगड़ें। इससे चाकू की धार वापस आ जाएगी। ध्यान रखें कि टाइल्स को मजबूती से पकड़ें ताकि वे फिसल न जाएं। इस तरीके से आप बिना किसी उपकरण के अपने चाकू को घर पर ही आसानी से तेज कर सकते हैं।

सैंडपेपर भी है कारगर

सैंडपेपर एक ऐसा सामग्री है, जिसका उपयोग करके भी चाकू की धार तेज की जा सकती है। इसे इस्तेमाल करने के लिए सैंडपेपर को एक समतल सतह पर रखें और चाकू को उसके ऊपर हल्के हाथों से रगड़ें। इससे चाकू की धार वापस आ जाएगी। इस तरीके से आप बिना किसी उपकरण के अपने चाकू को घर पर ही आसानी से तेज कर सकते हैं और उसे लंबे समय तक उपयोग में ला सकते हैं।

पत्थर भी है प्रभावी

पत्थर का उपयोग करके भी आप अपने चाकू की धार को तेज कर सकते हैं। इसके लिए आपको एक साफ और सूखा पत्थर चाहिए होगा, जिसे आप चाकू की धार वाली तरफ से हल्के हाथों से ऊपर-नीचे करें। यह प्रक्रिया आपके चाकू की धार को तुरंत सुधार सकती है और उसे लंबे समय तक टिकाऊ भी बनाती है। इस तरीके से आप बिना किसी उपकरण के अपने चाकू को आसानी से तेज कर सकते हैं।

वजन घटाने के लिए बेहद प्रभावी है घर के अंदर साइकिल चलाना, मिलते हैं ये फायदे

स्पिन एक ऐसी एक्सरसाइज है, जो न केवल शरीर को फिट रखती है, बल्कि वजन घटाने में भी मदद करती है। यह तेज गति वाली कार्डियो एक्सरसाइज है, जिसमें घर के अंदर ही साइकिल चलाना शामिल होता है। इस एक्सरसाइज की मदद से ऊर्जा बढ़ जाती है और कैलोरी जलाने में भी मदद मिलती है। इस लेख में हम आपको स्पिन एक्सरसाइज के 5 प्रमुख फायदों के बारे में बताएंगे, जो वजन घटाने की यात्रा को आसान बना देंगे।

कैलोरी जलाने में है मददगार

स्पिन एक्सरसाइज की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह जल्दी कैलोरी जलाने में मदद करती है। एक घंटे का स्पिन सत्र लगभग 500-700 कैलोरी तक जला सकता है, जो अन्य कार्डियो एक्सरसाइज की तुलना में बहुत ज्यादा है। इससे आपका वजन घटाने का लक्ष्य जल्दी पूरा हो सकता है और आपको परिणाम भी जल्दी दिख सकते हैं। नियमित स्पिन सत्र से ऊर्जा खपत भी तेज हो जाती है, जिससे शरीर की चर्बी कम होती है।

ऊर्जा खपत को करती है तेज

स्पिन एक्सरसाइज आपकी ऊर्जा खपत को तेज करने में मदद कर सकती है। जब ऊर्जा खपत तेज होती है तो आपका शरीर आराम करते समय भी कैलोरी जलाता रहता है। इससे वजन घटाने में मदद मिलती है और अतिरिक्त चर्बी जलाना भी आसान हो जाता है। इसके अलावा, तेज ऊर्जा खपत से ऊर्जा स्तर भी बढ़ता है, जिससे आप अन्य एक्सरसाइज भी बेहतर तरीके से कर सकते हैं और आपकी फिटनेस में सुधार हो सकता है।

हृदय स्वास्थ्य के लिए है फायदेमंद

स्पिन एक्सरसाइज दिल की सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होती है। यह आपके दिल की धड़कन को बढ़ाती है और रक्त संचार को बेहतर बनाती है। नियमित रूप से स्पिन एक्सरसाइज करने से उच्च रक्तचाप का खतरा कम होता है और दिल की बीमारियों से बचाव होता है। इसके अलावा, यह एक्सरसाइज आपके कोलेस्ट्रॉल के स्तर को भी संतुलित रखती है, जिससे दिल स्वस्थ रहता है और आप लंबे समय तक सक्रिय रह सकते हैं।

मानसिक तनाव होता है कम

वजन घटाने के अलावा, स्पिन एक्सरसाइज मानसिक तनाव को भी कम करती है। इससे शरीर में अच्छे हार्मोन उत्पन्न होते हैं, जो मूड को बेहतर बनाते हैं और तनाव घटाते हैं। इससे न केवल आपका शरीर सेहतमंद रहता है, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य भी बेहतर होता है। स्पिन करते समय ध्यान केंद्रित करने की जरूरत होती है, जिससे मानसिक शांति मिलती है और आप ज्यादा सकारात्मक महसूस कर सकते हैं। नियमित रूप से स्पिन करने से आत्मविश्वास भी बढ़ता है।

मांसपेशियों को मजबूत बनाने में है सहायक

स्पिन एक्सरसाइज के लाभ सिर्फ चर्बी जलाने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि यह मांसपेशियों को भी मजबूत बनाती है। साइकिल चलाते समय पैरों की मांसपेशियां सक्रिय होती हैं, जिससे उनकी मजबूती बढ़ती है। इसके अलावा, हाथों और पीठ की मांसपेशियां भी मजबूत होती हैं। इस प्रकार स्पिन एक्सरसाइज कई तरीकों से वजन घटाने में मददगार साबित हो सकती है। अगर आप भी अपने फिटनेस लक्ष्य प्राप्त करना चाहते हैं तो इस एक्सरसाइज को अपनाएं और स्वस्थ जीवन जिएं।

स्वास्थ्य मंत्री ने हरी झंडी दिखाकर चलित खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला को किया रवाना

राज्य में तीन दिन तक चलेगा बने खाबो - बने रहिबो अभियान, मिलावट के खिलाफ जन-जागरूकता की बड़ी पहल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में खाद्य सुरक्षा और जनस्वास्थ्य को लेकर एक ऐतिहासिक पहल के तहत से तीन दिवसीय विशेष अभियान बने खाबो – बने रहिबो (अच्छा खाओ, स्वस्थ रहो) की शुरुआत हुई। यह अभियान 4 से 6 अगस्त तक चलेगा, जिसका संचालन खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग और लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा किया जा रहा है। अभियान का शुभारंभ स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल द्वारा चलित खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला को हरी झंडी दिखाकर किया गया।

यह चलित प्रयोगशाला राज्य के 33 जिलों में घूम-घूम कर आमजन को गुणवत्ता पूर्ण भोजन और मिलावटी भोजन के प्रति लोगों को जागरूक करेगी तथा खाद्य सामग्री की मौके पर जांच करेगी, जिससे मिलावट के मामलों की तत्काल पहचान संभव होगी। स्वास्थ्य मंत्री ने सभी नागरिकों से अपील की कि वे इस अभियान में सहभागी बनें, मिलावट से सतर्क रहें और स्वच्छ, सुरक्षित भोजन अपनाकर एक स्वस्थ छत्तीसगढ़ और विकसित भारत के निर्माण में सहयोग दें।

स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल ने इस अवसर पर कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में हमारा लक्ष्य है कि प्रदेश के हर नागरिक तक गुणवत्तापूर्ण, शुद्ध और सुरक्षित खाद्य सामग्री पहुँचे। स्वास्थ्य विभाग का काम सिर्फ इलाज करना नहीं है, बल्कि बीमारी से पहले उसकी रोकथाम करना भी है यही प्रिवेंशन ऑफ डिजीज है।

उन्होंने कहा कि हमारे खानपान से संबंधित बीमारियाँ जैसे डायबिटीज़, थायरॉयड, फैटी लिवर, हाई कोलेस्ट्रॉल और हृदय रोग आज बहुत आम हो चुके हैं। इनसे बचने के लिए जन-जागरूकता, स्वच्छता और मिलावट रहित भोजन बेहद ज़रूरी है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा शुरू किए गए 'मिलावट के खिलाफ अभियान' को आगे बढ़ाते हुए छत्तीसगढ़ में 'बने खाबो, बने रहिबो' अभियान की नींव रखी गयी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में खाद्य परीक्षण की व्यवस्था को और अधिक सशक्त बनाने हेतु एक अत्याधुनिक राज्य स्तरीय खाद्य प्रयोगशाला की स्थापना की जा रही है, जिससे छत्तीसगढ़ को खाद्य परीक्षण के लिए अन्य राज्यों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा।

इस मौके पर सीजीएमएससी के अध्यक्ष अमित म्हस्के ने भी उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि यह एक बहुत ही महत्वकांक्षी अभियान है जिसकी शुरूआत आज से की जा रही है। चलित खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला के माध्यम से प्रदेश की जनता में खाद्य सामग्रियों को लेकर जागरूकता बढ़ेगी तथा मिलावट करने वालों की असलियत भी सामने आएगी।

उन्होंने बताया कि इस चलित प्रयोगशाला में एक लैब टेक्नीशियन तथा एक लैब असिस्टेंट की उपस्थिति रहेगी जिससे वो मौके पर ही खाद्य सामग्रियों का नमूना एकत्र कर उसकी जांच कर सकेंगे और आवश्यकता पड़ने पर खाद्य एवं औषधि विभाग की टीम ऐसे मिलावट करने वालों पर कार्रवाई भी करेगी।

स्वास्थ्य विभाग के सचिव अमित कटारिया ने इस मौके पर कहा कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य यह है कि लोगों को पता चले की हमें कैसा खाना खाना है और कैसे अपने शरीर को स्वस्थ रहना है। हम अपने भोजन को अपने जीवन में कैसे सही तरीके से उपयोग में लाएं ताकि हमारा शरीर स्वस्थ रहे और हमें किसी भी प्रकार की बीमारी ना हो, इन सबकेलिए हमें प्रयास करते रहना है। उन्होंने कहा कि हमें आम जनता को जागरूक करना है ताकि खाने में मिलावट को कैसे पहचाने और कैसे इस अभियान में हिस्सा लेकर शासन की मदद करें ताकि मिलावट करने वाले लोगों पर कार्रवाई भी की जा सके और लोग अपने स्वास्थ्य को लेकर जागरूक भी रहें।

इस अभियान के तहत स्ट्रीट फूड विक्रेताओं, रेस्टोरेंट्स, होटल्स एवं खाद्य सेवा प्रदायकों द्वारा उपयोग किए जा रहे खाद्य पदार्थों की जांच की जा रही है। उन्हें स्नस्ड्ढ के दिशा-निर्देशों के अनुसार स्वच्छता, व्यक्तिगत हाइजीन, खाद्य भंडारण एवं प्रसंस्करण की जानकारी दी जा रही है। छत्तीसगढ़ आज देश के अग्रणी राज्यों में शामिल है जहाँ मोबाइल फूड टेस्टिंग लैब के संचालन और फूड क्वालिटी टेस्टिंग में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ दर्ज की गई हैं।

नई खनिज नीति से त्रिस्तरीय पंचायती राज की अर्थव्यवस्था होगी मजबूतः रत्नावली कौशल

श्रीकंचनपथ न्यूज

मुंगेली। भाजपा नेत्री एवं अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण छत्तीसगढ़ शासन की पूर्व सदस्य रत्नावली कौशल ने कहा है कि यशस्वी मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और उनके मंत्रिमंडल को समाज के हर वर्ग के उत्थान के कार्य कर रही है।खिलाड़ियों, युवाओं, महिलाओं, किसानों, मजदूरों सभी के हित में हमारी सरकार शानदार काम कर रही है। दुनिया के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के विकसित भारत की कल्पना को साकार करते हुए हमारा विकासशील छत्तीसगढ़ निरंतर आगे बढ़ रहा है।

भाजपा नेत्री रत्नावली कौशल ने यह बातें विष्णु देव साय मंत्रिमंडल द्वारा हालिया लिए गए फैसलों को आधार बनाकर कही हैं। सुश्री कौशल ने कहा है कि नई खनिज नीति से त्रिस्तरीय पंचायती राज की अर्थव्यवस्था को जहां मजबूती मिलेगी, वहीं गांव कस्बों की आधारभूत जरूरतें भी पूरी होंगी। रत्नावली कौशल ने कहा है कि केंद्र सरकार के खान मंत्रालय के नए दिशा निर्देशों और प्रधानमंत्री खनिज क्षेत्र कल्याण योजना की संशोधित गाइड लाइंस के अनुसार साय केबिनेट ने खनिज संस्थान न्यास नियम 2015 में संशोधन का निर्णय लेकर ऐतिहासिक कदम उठाया है। इसके तहत अब इस मद की न्यूनतम 70 प्रतिशत राशि पेयजल,शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि कल्याण, पर्यावरण संरक्षण, प्रदूषण नियंत्रण, महिला एवं बाल कल्याण, निशक्त जन एवं वृद्ध कल्याण, कौशल विकास, रोजगार, आवास, पशु पालन, स्वच्छता आदि पर खर्च की जाएगी।

सुश्री कौशल ने कहा कि रेत खदानों की ई नीलामी से रेत के काले धंधे पर रोक लगेगी, लोगों को बहुत कम कीमत पर रेत मिलेगी। इससे निजी और सरकारी क्षेत्र के निर्माण कार्यों की लागत में काफी कमी आएगी। भाजपा नेत्री रत्नावली कौशल ने कहा है कि साय सरकार के इस फैसले का असर अभी से नजर आने लगा है। बस्तर संभाग के सुकमा जिले में लगभग 45 लाख रुपए मूल्य की अवैध रेत पकड़ा जाना बताता है कि साय सरकार का यह फैसला भविष्य में और कितना असरकारी होगा। कृषि भूमि के बाजार मूल्य निर्धारण के फैसले को ऐतिहासिक और किसान हितैषी बताते हुए रत्नावली कौशल ने कहा है कि अब अधिग्रहण प्रभावित किसानों को पूरी तरह न्याय मिल सकेगा, उन्हें उनकी जमीन का वाजिब मुआवजा मिलेगा, भूमि विवाद से जुड़े अदालती मामलों में कमी आएगी। मुआवजा प्रकरणों में 500 मीटर रकबे की गणना को खत्म कर पूरी भूमि की गणना कर उसी आधार पर मुआवजा राशि संबंधित किसान को दी जाएगी।

सुश्री कौशल ने कहा है कि भू अधिग्रहण के कई मामलों में किसान की थोड़ी बहुत जमीन जाती है, मगर पूरे रकबे का नुकसान हो जाता है। ऐसे में बची भूमि पर संबंधित किसान कृषि कार्य नहीं कर पाता और उसे बड़ा नुकसान होता है। नया नियम लागू होने से किसानों की एक बड़ी पीड़ा और समस्या दूर हो जाएगी।छत्तीसगढ़ क्रिकेट संघ को क्रिकेट अकादमी की स्थापना के लिए नवा रायपुर अटल नगर सेक्टर -3 परसदा में 7.86 एकड़ भूमि आवंटित किए जाने संबंधी मंत्रिमंडल के फैसले पर भी रत्नावली कौशल ने खुशी जताई है।

उन्होंने कहा है कि प्रस्तावित क्रिकेट अकादमी राज्य के खिलाडियों को राष्ट्रीय एवं अंतर राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में मददगार साबित होगा। भाजपा नेत्री रत्नावली कौशल ने इन जनहितैषी फैसलों के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और सभी मंत्रियों का आभार व्यक्त करते हुए उन्हें साधुवाद दिया है।

प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम से हिड़को दंपति को मिला नियमित रोजगार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम से मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले के ग्राम एकटकन्हार निवासी हिड़को दंपति को नियमित आमदनी का साधन मिल गया है। गौरतलब है कि जिला प्रशासन के सहयोग से एकटकन्हार निवासी अजीत हिडको और उनकी पत्नी उषा हिडको ने 100 चूजो से कुक्कुट व्यवसाय शुरू किया था। अब यह व्यवसाय प्रति माह एक हजार चूजो में बदल पहुंच गया है। इससे हिडको दपंति को प्रतिमाह 20 से 40 हजार रूपए की आमदनी हो रही है। इससे हिडको परिवार में खुशी का माहोल है।

विकासखंड मोहला के ग्राम एकटकन्हार निवासी अजीत हिड़को व उनकी पत्नी उषा हिड़को ने बताया कि वे केंद्र शासन की योजना प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के तहत 5 लाख रुपये

का बैंक से ऋण लेकर मुर्गी पालन व्यवसाय प्रारंभ किया, जिसमें उन्हें 35 प्रतिशत की अनुदान प्राप्त हुई, जिससे उन्हें काफी राहत मिली। पहले वे दुसरों के यहां कृषि-मजदूरी का काम करते थे, जिससे बहुत कम आय प्राप्त आय होती थी। लेकिन आर्थिक तंगी से जूझते इस दंपती ने कभी हार नहीं मानी और गांव में ही कुछ नया करने की सोची और मुर्गी पालन का व्यवसाय शुरू किया। आज हिडको दपंति की मेहनत, संकल्प और दूरदर्शिता ने उनके परिवार को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बना दिया है। उषा हिड़को ने बताया कि उन्होंने पति के साथ मिलकर कच्चे मकान के एक छोटे से कमरे से मात्र 100 देशी चूजों से कुक्कुट पालन शुरू किया था। नियमित प्रयास, प्रशिक्षण और मेहनत के फलस्वरूप आज प्रतिमाह लगभग एक हजार मुर्गियों का उत्पादन कर रहे हैं। जिससे उन्हें 20 से लेकर 40 हजार तक की आमदनी हो रही है। उनके पति कामधेनु विश्वविद्यालय दुर्ग अंजोरा, कृषि विज्ञान केंद्र व अन्य सेमिनारों से प्रशिक्षण लेकर तकनीकी जानकारी प्राप्त की, जिससे उन्हें व्यवसाय में काफी सहयोग और लाभ मिला हैं। आज उनका पूरा परिवार खुश हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का धन्यवाद ज्ञापित किया हैं।

कलेक्टर तुलिका प्रजापति ने हिड़को द्वारा संचालित कुक्कुट फार्म के इन कार्यो का अवलोकन की और मुर्गी पालन के सफलतम व्यवसाय के लिए अजीत एवं उषा हिड़को को बधाई देते हुए जिला प्रशासन द्वारा हरसंभव मदद का भरौसा दिलाया।

मंत्री रामविचार नेताम ने किया आश्रम के कल्पना कक्ष का निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आदिम जाति एवं अनुसूचित जाति तथा पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास मंत्री रामविचार नेताम ने कोंडागांव जिले के फरसगांव विकासखंड अंतर्गत बालक आश्रम कोसागांव का निरीक्षण किया।

उन्होंने इस दौरान विशेष रूप से आश्रम में स्थापित 'कल्पना कक्ष' में बच्चों से मिले। कल्पना कक्ष में कंप्यूटर सामग्री के साथ विविध विषयों के पुस्तकों का अवलोकन किया। उन्होंने बच्चों से कम्प्यूटर अनुभव और प्रतिलिपि लेखन के विषय में चर्चा किए तथा बच्चों को चॉकलेट का वितरण किया। मंत्री नेताम ने विश्राम कक्ष की स्वच्छता, खिड़कियों में मच्छरदानी, गद्दे, तकिये की स्वच्छता, शौचालय और उपलब्ध संसाधनों के समुचित उपयोग के संबंध में निर्देश आश्रम अधीक्षकों को निर्देश दिए।

निरीक्षण पश्चात स्थानीय ग्रामीण और आश्रम शाला के बच्चों के साथ सामूहिक चर्चा किया। बच्चों से सामान्य ज्ञान की बातें पूछकर शिक्षकों के द्वारा कराये जा रहे शिक्षकीय कार्य का आंकलन किया गया। शिक्षकों को निर्देश दिया गया कि बच्चे राष्ट्र गीत, राष्ट्र गान, महानायक, महापुरुषों जैसे राष्ट्रीय महत्व के सामान्य ज्ञान से परिचित रहे।

छोटी-छोटी बचतों से संवर रहा ग्रामीण जीवन, महिला सशक्तिकरण की धुरी बनी महतारी वंदन योजना

जशपुर जिले की दो लाख से अधिक महिलाओं को अब तक 363.42 करोड़ रुपये की सहायता राशि का लाभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा महिलाओं के सामाजिक, आर्थिक और पारिवारिक जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के उद्देश्य से शुरू की गई महतारी वंदन योजना आज ग्रामीण जीवन की रीढ़ बन चुकी है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की पहल पर शुरू की गई इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत प्रदेश की लाखों महिलाओं को हर माह 1000 रूपए की प्रत्यक्ष सहायता दी जा रही है। जशपुर जिले में अब तक 2 लाख से अधिक महिलाओं को कुल 363.42 करोड़ की राशि प्रदान की जा चुकी है, जिसने न केवल उनके जीवन को सशक्त बनाया है, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था में भी नई ऊर्जा का संचार किया है।

पहले जहां महिलाएं अपनी छोटी-छोटी जरूरतों के लिए भी दूसरों पर निर्भर रहती थीं, वहीं अब वे जरूरत पड़ने पर अपने खाते से राशि निकालकर अपनी आवश्यकताएं स्वयं पूरी कर रही हैं। इस आत्मनिर्भरता को और अधिक सुलभ बनाने के लिए गांव-गांव में अटल सुविधा केंद्रों की स्थापना की गई है, जहां से महिलाएं नगद राशि आसानी से प्राप्त कर रही हैं।

इस योजना की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इससे मिलने वाली आर्थिक सहायता केवल व्यक्तिगत उपयोग तक सीमित नहीं है। महिलाएं इसका उपयोग अपने बच्चों की पढ़ाई, घरेलू आवश्यकताओं, त्योहारों की तैयारियों के साथ-साथ सुकन्या समृद्धि योजना जैसे निवेश माध्यमों में भी कर रही हैं। कई महिलाओं ने इस राशि से अपने छोटे व्यवसाय शुरू किए हैं कोई सिलाई की दुकान चला रही है तो कोई किराने या फल-सब्ज़ी का व्यापार कर रही है।

महतारी वंदन योजना का असर स्थानीय बाजारों में भी देखने को मिल रहा है। जब-जब योजना की राशि खातों में पहुंचती है, बाजारों में रौनक बढ़ जाती है। दुकानदारों, छोटे व्यवसायियों और सेवा प्रदाताओं को भी इसका सीधा लाभ मिल रहा है। अब यह योजना सिर्फ महिलाओं तक सीमित नहीं रह गई, बल्कि यह पूरे ग्रामीण अर्थव्यवस्था की प्रगति का माध्यम बन चुकी है।

महिलाओं के बढ़ते आत्मविश्वास और उद्यमिता को और अधिक समर्थन देने के लिए राज्य सरकार ने महतारी शक्ति ऋण योजना भी शुरू की है। इस योजना के तहत छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक के माध्यम से महिलाओं को 25,000 रूपए तक का ऋण न्यूनतम ब्याज दर पर, 48 माह की आसान किश्तों में उपलब्ध कराया जा रहा है।

जशपुर जिले में अब तक 875 महिलाएं इस योजना का लाभ उठा चुकी हैं, और इसे अपने व्यापार व अन्य उपयोगी कार्यों में लगा रही हैं।

डिजिटल क्रांति का लाभ अब जन-जन तक

आमचो बस्तर पोर्टल से जन सुविधाओं में क्रांतिकारी सुधारः मिल रही त्वरित राहत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सुशासन में आधुनिक तकनीक व डिजिटल क्रांति का अत्यधिक लाभ जनता तक तत्काल पहुंचाने की विशेष पहल का लाभ दिखने लगा है। बस्तर जिले में कलेक्टर हरिस एस के निर्देशन में शुरू की गई अभिनव डिजिटल पहल ष्आमचो बस्तरष् जन शिकायत निवारण पोर्टल आम लोगों की समस्याओं के समाधान में अत्यंत प्रभावशाली सिद्ध हो रही है। यह पोर्टल ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों के नागरिकों को सीधे जिला प्रशासन से जोड़ते हुए उनकी शिकायतों, मांगों और सुझावों को त्वरित और पारदर्शी ढंग से हल करने का एक सशक्त माध्यम बन चुका है।

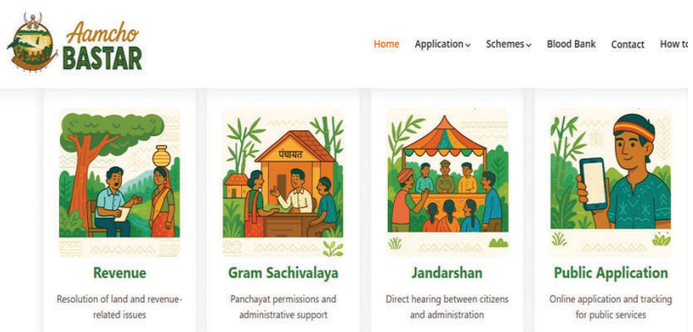

घाटकवाली (जुनापारा) और तुसेल (जुनापारा) ग्रामों में स्थापित सोलर ड्यूल पम्प संयंत्र कार्यशील नहीं होने की शिकायतें आमचो बस्तर पोर्टल पर प्राप्त हुई थीं। घाटकवाली निवासी श्री पदमनाग कश्यप द्वारा की गई शिकायत पर क्रेडा जिला कार्यालय ने तत्काल कार्यवाही की। क्रेडा सीईओ राजेश सिंह राणा के निर्देश पर संबंधित तकनीशियन द्वारा संयंत्र में नवीन पैनल, केबल एवं स्ट्रक्चर सुधार कर 28 जुलाई 2025 को संयंत्र को पुनः क्रियाशील किया गया।

इसी प्रकार, तुसेल ग्राम में जल जीवन मिशन योजना के अंतर्गत स्थापित संयंत्र की तकनीकी समस्याओं को दूर कर 03 अगस्त 2025 को पुनः संचालन प्रारंभ किया गया। इसमें केबल, एमसीबी, स्विच आदि की मरम्मत की गई। इन सुधार कार्यों से वर्षा ऋतु में स्वच्छ पेयजल की समस्या का समाधान हुआ है, जिससे ग्रामीणजन अत्यंत संतुष्ट और उत्साहित हैं। आमचो बस्तर पोर्टल के माध्यम से आम नागरिक विभिन्न शासकीय सेवाओं जैसे भूमि, राजस्व, पेंशन, राशन इत्यादि से संबंधित अपनी शिकायतें, सुझाव या मांगें वेबसाइट, मोबाइल ऐप या ग्राम सचिवालय में उपलब्ध क्यूआर कोड स्कैन करके दर्ज कर सकते हैं। सेव ड्राफ्ट सुविधा नेटवर्क न होने पर भी आवेदन भरने की सुविधा देती है, जिसे बाद में सबमिट किया जा सकता है। यह पोर्टल जनदर्शन शिविर, राजस्व पखवाड़ा और सार्वजनिक डैशबोर्ड से जुड़ा हुआ है, जिससे न केवल पारदर्शिता बनी रहती है बल्कि समाधान भी समयबद्ध होता है। आमचो बस्तर सिर्फ शिकायत निवारण प्लेटफॉर्म नहीं बल्कि एक केंद्रीकृत, बहु-चौनल और बहु-मॉड्यूल आधारित डिजिटल प्लेटफॉर्म है, जो जिले में परियोजना निगरानी, सूचना प्रसार, विशेष अभियान और सार्वजनिक भागीदारी को सुदृढ़ करता है। आवेदनों के निराकरण हेतु ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत, संबंधित विभाग, एसडीएम, तहसीलदार, जनदर्शन शाखा और ब्लड बैंक जैसे संस्थानों को जिम्मेदारी दी गई है। डैशबोर्ड में राजस्व पखवाड़ा मॉड्यूल, जनदर्शन मॉड्यूल, ग्राम सचिवालय प्रबंधन, समय सीमा प्रबंधन और ब्लड बैंक मॉड्यूल भी शामिल हैं।

हर गांव, हर परिवार की आवाज को शासन तक पहुँचाना इस मूल उद्देश्य के साथ 'आमचो बस्तर' पोर्टल ग्रामीण और शहरी नागरिकों को एक नया, तकनीक-सक्षम और जवाबदेह प्रशासन प्रदान कर रहा है।

राज्य स्तरीय विज्ञान एवं गणित क्विज प्रतियोगिता में रायगढ़ जिले का पुसौर विकासखण्ड रहा अव्वल

रायपुर। स्कूल शिक्षा विभाग एवं राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद के तत्वावधान में राज्य स्तरीय विज्ञान एवं गणित क्विज प्रतियोगिता का आयोजन रायगढ़ जिले के पीएम श्री शासकीय नटवर इंग्लिश स्कूल में किया गया। प्रतियोगिता में राज्य के सभी सात संभागों से चयनित विकासखण्डों के प्रतिनिधि छात्र-छात्राएं शामिल हुए। क्विज प्रतियोगिता में रायगढ़ जिले के पुसौर विकासखण्ड ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 40 अंकों के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया। धरमजयगढ़ विकासखण्ड ने 35 अंकों के साथ द्वितीय स्थान और लैलूंगा विकासखण्ड ने 30 अंकों के साथ तृतीय स्थान हासिल किया।

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

सब्जी में गिरी छिपकली, खा गया परिवार, हॉस्पिटल में भर्ती

बलरामपुर। जिले से फूड पॉइजनिंग का मला सामने आया है। जहां चने की सब्जी में छिपकली गिरने के बाद अनजाने में परिवार के चार सदस्यों ने खा लिया। रात में अचानक सभी लोगों की तबियत बिगड़ गई। सभी को फूड पॉइजनिंग जैसे लक्षण दिखने लगा। आनन-फानन में सभी को सीएचसी में भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक, हरिगवां गांव के एक परिवार में बीती रात चने की सब्जी बनी, जिसमें छिपकली गिर गई थी। इस बात से अनजान परिवार के 3 बच्चों सहित 4 लोगों ने खाना खाया, जिसके बाद उनकी तबियत बिगड़ने लगी। सभी को सिविल अस्पताल वाड्रफनगर में भर्ती किया गया। फिलाहल सभी का इलाज जारी है।

दुष्कर्म का वीडियो किया वायरल, आरोपी को पटना से पकड़ा

सूरजपुर। चांदनी थाना क्षेत्र अन्तर्गत एक पीड़िता ने 1 जुलाई को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि वर्ष 2023 में इंस्ट्राग्राम के माध्यम से पटना बिहार निवासी चिंतामणी से दोस्ती हुई थी। फिर मोबाइल से बातचीत होने लगी। इसी दौरान उसने अपनी बातों में फंसा कर बिहार में अच्छी हीरोइन-सिंगर बनाकर फिल्मों में काम दिलाने एवं 1 लाख 50 हजार रुपए प्रतिमाह देने का झांसा दिया। इस पर वह उसके झांसे में आकर आरोपी के पास पटना बिहार पहुंची। यहां आरोपी किराये के रूम में ले जाकर मोबाइल कब्जे में लिया। उसने पीड़िता को शारीरिक व मानसिक रूप से प्रताड़ित कर बलात्कार किया। इसके करीब 1 माह बाद पीड़िता किसी तरह आरोपी के चंगुल से बचकर वापस अपने घर पहुंची। तब आरोपी द्वारा फोन कर पैसा मांगने लगा, नहीं तो अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी दी। इससे डरकर पीड़िता पुन: पटना बिहार गई। यहां आरोपी ने फिर उसके साथ बलात्कार किया और अश्लील वीडियो-फोटो बनाकर फर्जी आईडी के जरिए वायरल कर दिया। पीड़िता की रिपोर्ट पर थाना चांदनी में अपराध दर्ज कर पुलिस आरोपी की तलाश कर गिरफ्तार कर लिया गया।

मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी क्षेत्र और जगदलपुर में 5 मासूमों की डूबने से दर्दनाक मौत, मुख्यमंत्री ने जताया गहरा शोक

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अपील : बारिश के मौसम में गहरे जल स्रोतों से सतर्क रहें आमजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी क्षेत्र एवं जगदलपुर के हजारीगुड़ा गांव में नहाते समय गहरे पानी में डूबकर पाँच मासूम बच्चों की मृत्यु पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने इस हृदयविदारक घटना को अत्यंत पीड़ादायक बताते हुए दिवंगत आत्माओं की शांति और शोक संतप्त परिजनों को इस दु:खद घड़ी को सहन करने की शक्ति प्रदान करने हेतु ईश्वर से प्रार्थना की है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रदेश सरकार इस कठिन समय में पीड़ित परिवारों के साथ है। उन्होंने जिला प्रशासन को निर्देश दिए हैं कि पीड़ित परिवारों को शासन के नियमानुसार चार-चार लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि तत्काल प्रदान की जाए।

मुख्यमंत्री साय ने बरसात के मौसम में नदी-नालों और गहरे जल स्रोतों में बढ़ते जल स्तर और तेज प्रवाह को देखते हुए आम नागरिकों से विशेष सतर्कता बरतने की अपील की है। उन्होंने कहा कि विशेषकर बच्चों को ऐसे खतरनाक स्थलों के पास जाने से रोका जाए, ताकि इस प्रकार की दु:खद घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। मुख्यमंत्री ने सामाजिक जागरूकता बढ़ाने, जलभराव वाले स्थानों की पहचान कर चिन्हांकन करने तथा जोखिम वाले इलाकों में चेतावनी बोर्ड लगाने जैसे सतर्कता उपायों को प्राथमिकता के साथ लागू किए जाने के निर्देश दिए हैं।

नर्स ने की गलती, डॉक्टर ने जड़ा थप्पड़

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। पेंड्री स्थित मेडिकल कॉलेज अस्पताल के मेडिसीन विभाग में डॉक्टरों के बीच चल रही खींचतान का मामला अभी सुलझा ही नहीं और सोमवार को वहां सर्जरी विभाग में दूसरा मामला सामने आ गया। सर्जरी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ। सुनीता मेश्राम ने स्टाफ नर्स दामिनी देशमुख से दुर्व्यवहार व मारपीट कर दी। मामले की शिकायत के बाद अधीक्षक ने जांच समिति गठित की है। इसके अलावा संबंधित डॉक्टर को नोटिस भी दी जा रही है। आरोप है कि विभागाध्यक्ष डॉ। सुनीता ने नर्स को थप्पड़ मार दिया।

सोमवार को तकरीनब 1।30 बजे ऑपरेशन थियेटर में मरीज की सर्जरी चल रही थी। स्टाफ नर्स दामिनी देशमुख से कुछ गलती हुई, तो डॉक्टर इस कदर नाराज हुई कि उसे थप्पड़ जड़ दी। इसके बाद संबंधित वार्ड सहित सभी नर्सों ने नाराजगी जाहिर करते हुए विरोध किया। शिकायत मिलने पर छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संगठन के पदाधिकारी भी पहुंच गए। अधीक्षक डॉ। अतुल मनोहर देशकर को ज्ञापन सौंपकर संबंधित चिकित्सक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। जांच के बाद संतोषप्रद कार्रवाई नहीं होने पर संगठन के पदाधिकारियों ने उग्र आंदोलन की चेतावनी भी दी है। सर्जरी विभाग की एचओडी डॉक्टर द्वारा नर्स से मारपीट किए जाने की खबर पूरे अस्पताल में फैल गई। इसके बाद अस्पताल में तनाव की स्थिति निर्मित हो गई। ओटी सहित अन्य विभाग की स्टाफ नर्स काम छोड़कर अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर विरोध प्रदर्शन करने लगीं। अधीक्षक द्वारा जांच के बाद उचित कार्रवाई का आश्वासन देने के बाद वे शांत हुईं।

करंट की चपेट में आने से युवक की हुई मौत, परिवार में छाया मातम

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोंडागांव। जिले के कोपाबेड़ा मार्ग पर युवक तोमेश देवांगन की बिजली करंट लगने से मौत हो गई। यह हादसा उस समय हुआ जब डीजे वाहन एक जुलूस के दौरान मार्ग से गुजर रहा था और उस पर लगे ऊंचे साउंड सिस्टम के ऊपर से हाई वोल्टेज बिजली के तार गुजर रहे थे। तोमेश इन तारों को ऊपर उठाने की कोशिश कर रहा था ताकि वाहन आसानी से निकल सके, लेकिन इसी दौरान वह करंट की चपेट में आ गया। हादसे के तुरंत बाद मौके पर मौजूद लोगों ने उसे गंभीर हालत में कोंडागांव जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने तोमेश को मृत घोषित कर दिया। इस दुर्घटना की खबर फैलते ही गांव में मातम पसर गया और तोमेश के घर में कोहराम मच गया।

मृतक तोमेश देवांगन एक साधारण किसान परिवार से ताल्लुक रखता था। उसके माता-पिता किसानी करते हैं और एक छोटा भाई भी है। तोमेश ही परिवार का मुख्य कमाने वाला सदस्य था और उसकी मेहनत से ही परिवार की आजीविका चलती थी। उसकी असामयिक मौत से परिवार पूरी तरह टूट चुका है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा की कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। स्थानीय प्रशासन ने मामले की गंभीरता को देखते हुए हादसे की जांच के आदेश दे दिए हैं। प्रारंभिक तौर पर यह माना जा रहा है कि मार्ग पर खुले बिजली तारों की लापरवाही इस घटना का मुख्य कारण रही है।

घटना के बाद गांव में गम और आक्रोश का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार इस मार्ग पर लटके बिजली तारों के बारे में विद्युत विभाग को शिकायत की गई थी, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि ऐसे हादसों से बचने के लिए बिजली तारों की ऊंचाई और सुरक्षा को लेकर उचित इंतजाम किए जाएं। पीड़ित परिवार की स्थिति को देखते हुए ग्रामीणों ने शासन से आर्थिक सहायता और मुआवजे की मांग की है। उनका कहना है कि तोमेश की मौत से परिवार की आर्थिक रीढ़ टूट चुकी है, ऐसे में सरकार को आगे आकर सहायता करनी चाहिए। पूरा गांव इस हादसे के बाद शोक की लहर में डूबा हुआ है। बड़ी संख्या में लोग पीड़ित परिवार के घर पहुंचकर सांत्वना दे रहे हैं। वहीं प्रशासन ने आश्वासन दिया है कि मामले की जांच कर दोषियों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी।

अवैध संबंध:पत्नी ने पति की शराब से मौत होने की गढ़ी झूठी कहानी, प्रेमी संग हुई गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

गरियाबंद। जिले के पांडुका थाना क्षेत्र में पत्नी ने प्रेमी के साथ मिलकर पति को मौत के घाट उतार दिया। पुलिस ने पत्नी और प्रेमी को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई कर रही है। मिली जानकारी के अनुसार पूरा मामला पांडुका थाना क्षेत्र के कोपरा का है। 26 जुलाई की रात चुम्मन साहू नाम के एक युवक की हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने जांच शुरू की तो शक की सुई उसकी पत्नी की ओर घुमी। कड़ाई से पूछताछ करने पर उसने पति की हत्या की बात स्वीकार कर ली। आरोपी पत्नी ने पुलिस को पूछताछ में बताया कि कोपरा निवासी चुम्मन साहू की पत्नी प्रतिमा का नगर के ही दौलत पटेल नामक युवक से पिछले कुछ महीनों से प्रेम प्रसंग चल रहा था।

चुम्मन ने अपनी पत्नी को प्रेमी के साथ आपत्तिजनक स्थिति में रंगे हाथों पकड़ा था। इसी बात को लेकर लगातार विवाद होता था। इसी घटना के बाद प्रतिमा और दौलत ने चुम्मन को रास्ते से हटाने की साजिश रची। 26 जुलाई की रात प्रतिमा ने दौलत के साथ मिलकर तकिए से मुंह दबाकर चुम्मन की हत्या कर दी। घटना के बाद प्रतिमा अत्याधिक शराब पीने की वजह से चुम्मन की मौत का कारण बता रही थी। परिवार वालों ने पुलिस में कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई। लेकिन चुम्मन के परिवार को प्रतिमा पर पहले से शक था। संदेह के आधार पर उन्होंने सोमवार को पांडुका थाने में शिकायत दर्ज कराई। प्रतिमा और दौलत को पुलिस ने हिरासत में लेकर पूछताछ की तो अपना गुनाह कबूल लिया।

मछली पकाते समय प्याज नहीं मिलने से नाराज नशेड़ी ने दो घरों को फूंका

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में चौंकाने वाली घटना सामने आई है। यहां एक नशेड़ी युवक ने अपने ही घरों में आग लगा दी। दरअसल नशेड़ी मछली पका रहा था और इस दौरान उसे प्याज नहीं मिला। फिर क्या था इस बात को लेकर वह इतना ज्यादा आक्रोशित हो गया कि अपने दोनों घरों को आग लगा दी। घटना के बाद फायर ब्रिगेड को बुलाया गया और आग पर काबू पाया गया। पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है।

मिली जानकारी के अनुसार यह सनसनीखेज मामला जिले के उपरकछार पुलिस चौकी अंतर्गत ग्राम अबीरा का है। गणेश साय नामक युवक सोमवार दोपहर करीब 12 बजे शराब के नशे में मछली पका रहा था। इसी दौरान जब उसे प्याज नहीं मिला, तो वह उग्र हो गया और गुस्से में आकर अपने ही घरों में आग लगा दी। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और घर में रखे करीब 40 हजार रुपए नगद सहित तमाम घरेलू सामान जलकर राख हो गया।

घटना के बाद गांव में हड़कंप मच गया। मौके पर पहुंचे सरपंच ने तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचना दी, जिसके बाद दमकल टीम ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। ग्रामीणों के अनुसार, आरोपी युवक शराब का आदी है और अक्सर अपने माता-पिता से झगड़ा करता रहता था। बताया जा रहा है कि घटना से एक दिन पहले भी उसने शराब के नशे में परिजनों से मारपीट की थी। फिलहाल पुलिस ने आरोपी गणेश साय को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। गांव में घटना के बाद से दहशत का माहौल है। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

बाइक और स्कूटी में भिड़ंत, सड़क हादसे में एमबीबीएस छात्र की मौत, एक अन्य घायल

भिलाई। एक भीषण सड़क हादसे में एक MBBS छात्र की मौत हो गई है। इतना ही नहीं हादसे में एक अन्य छात्र गंभीर रूप से घायल हो गया है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और मृतक छात्र के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

वहीं पुलिस की टीम ने घायल छात्र को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया है। मिली जानकारी के अनुसार, यह सड़क हादसा स्मृतिनगर चौकी के कोहका में हुआ है। यहां बाइक और स्कूटी में भिड़ंत हो गई। इस हादसे में एक MBBS छात्र की मौत हो गई और एक अन्य छात्र गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे की जानकारी मिलते ही स्मृतिनगर चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और मृतक मृतक छात्र के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। वहीं पुलिस की टीम ने घायल छात्र को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया है। फिलहाल पुलिस इस मामले की जांच में जुट गई है।

रायपुर में 30 लाख की लूट के फरार आरोपी को राजस्थान के बीकानेर से किया गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर के आजाद चौक थाना क्षेत्र में 30 लाख रुपये की बड़ी लूट की वारदात में फरार चल रहे एक और आरोपी को पुलिस ने राजस्थान से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। गिरफ्तार आरोपी का नाम योगेश नाई है, जिसकी उम्र 20 वर्ष है और वह डुगरगढ़, जिला बीकानेर (राजस्थान) का रहने वाला है। आरोपी को 3 अगस्त को बीकानेर से गिरफ्तार किया गया और 4 अगस्त को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया। क्या है मामला?

यह पूरा मामला 1 मई 2025 का है, जब प्रार्थी महावीर प्रसाद शर्मा ने थाना आजाद चौक में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट के अनुसार, वह रात करीब 7:45 बजे समता कॉलोनी स्थित अपने घर लौट रहा था। तभी 4-5 अज्ञात युवकों ने रास्ते में रोककर उसके साथ मारपीट की और उसके पीठ पर लटका बैग लूट लिया। बैग में 30 लाख रुपये नगद रखे थे, जो लुटेरे लेकर फरार हो गए। पुलिस ने दर्ज किया था मामला मामले की गंभीरता को देखते हुए आजाद चौक थाना पुलिस ने तत्काल अपराध क्रमांक 111/2025 के तहत धारा 309(4), 61 BNS के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने तकनीकी और मुखबिर की सूचना के आधार पर लगातार कार्रवाई करते हुए पहले ही इस लूटकांड में शामिल चार आरोपियों को 14 मई 2025 को गिरफ्तार कर जेल भेजा था।

पहले गिरफ्तार हुए आरोपी: कालू राम भार्गव गुणानंद प्रजापत भवानीशंकर सास्वत उर्फ लालजी रवि शर्मा ये सभी आरोपी भी डुगरगढ़, जिला बीकानेर, राजस्थान से गिरफ्तार किए गए थे। पूछताछ में इन सभी ने लूट में अपनी संलिप्तता स्वीकार की थी और यह भी बताया था कि वारदात को सुनियोजित ढंग से अंजाम दिया गया था। फरार था मुख्य आरोपी योगेश नाई मामले का एक अन्य आरोपी योगेश नाई घटना के बाद से ही फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीम लगातार बीकानेर और आसपास के क्षेत्रों में दबिश दे रही थी। अंतत: 3 अगस्त को पुलिस को सफलता मिली और आरोपी योगेश को भी उसके पैतृक निवास डुगरगढ़ से धरदबोचा गया।

गिरफ्तारी के बाद योगेश नाई को 4 अगस्त 2025 को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। पुलिस अब इस लूटकांड से जुड़े अन्य पहलुओं और लूटी गई रकम की बरामदगी को लेकर आगे की जांच कर रही है। पुलिस की सख्त निगरानी में मामला इस पूरी घटना में रायपुर पुलिस की तत्परता और राजस्थान पुलिस के सहयोग से सभी आरोपी गिरफ्त में आ चुके हैं। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में यह कार्रवाई की गई, जिससे लूट जैसे संगीन अपराधों पर लगाम लगाने में बड़ी सफलता मिली है।

नवविवाहित नर्स ने खुद को लगाया इंजेक्शन, हुई मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। शादी के तीन माह बाद एक नवविवाहिता नर्स की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। नर्स ने रात में स्वयं इंजेक्शन लगाया था, जिसके कारण स्वजन असमंजस में हैं। नवविवाहिता होने के कारण तहसीलदार ने शव की जांच की, और तीन सदस्यीय डाक्टरों की टीम ने पोस्टमार्टम किया। नर्स की मौत के कारण अभी स्पष्ट नहीं हैं, और पुलिस मामले की जांच में जुटी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण ज्ञात हो सकेगा।

जिला अस्पताल धमतरी के परिसर में स्थित पुलिस चौकी से मिली जानकारी के अनुसार, कुरूद थाना क्षेत्र के ग्राम राखी निवासी 28 वर्षीय कुसुमलता साहू, पत्नी दीपेश साहू, को सोमवार की अलसुबह बेहोशी की हालत में धमतरी के बठेना अस्पताल लाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल धमतरी के चीरघर में लाया गया, जहां तहसीलदार ने शव की जांच की। डाक्टर तेजस शाह, डाक्टर मेहताब अहमद और डाक्टर श्रुति खत्री की टीम ने पोस्टमार्टम किया। शव को अंतिम संस्कार के लिए स्वजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस अब पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है, जिसके बाद ही मौत के कारण का पता चल सकेगा।

रात में मृतका ने घर में ही इंजेक्शन लगाया था। मृतका के पति दीपेश साहू ने पुलिस को बताया कि उनका मायका ग्राम मोतिमपुर, मगरलोड है। तीन माह पूर्व आठ मई को उनका विवाह हुआ था। दीपेश जल जीवन मिशन में कार्यरत हैं, जबकि कुसुमलता रायपुर में स्टाफ नर्स के रूप में कार्यरत थीं। वह 8-10 दिनों में राखी आती थीं।

तीन अगस्त को शाम को कुरूद के बस स्टैंड पर पहुंची, जहां दीपेश और कुसुम के भाई टिकाराम ने उन्हें लेने गए थे। कुसुमलता ने मेडिकल स्टोर से दवाइयां खरीदीं और घर लौट आईं। उनके हाथ में कन्यूला लगा हुआ था, जिसे लेकर उन्होंने बताया कि पेट में समस्या है। रात में सभी ने खाना खाने के बाद कुछ देर गांव की ओर घूमने गए। लौटने पर कुसुमलता ने स्वयं इंजेक्शन लगाया। रात 12:15 बजे दोनों सो गए, और सुबह 4:52 बजे दीपेश ने देखा कि पत्नी बेहोशी की हालत में हैं। उन्हें मसीही अस्पताल ले जाया गया, जहां डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

मुख्यमंत्री साय दिव्य शिव महापुराण कथा के समापन समारोह में वर्चुअली हुए शामिल

भगवान मधेश्वर की पावन धरा के विकास हेतु मिलेंगे 10 करोड़ रुपये, तीर्थ पर्यटन को मिलेगा नया आयाम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने पवित्र श्रावण मास के चौथे सोमवार के शुभ अवसर पर रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय से जशपुर जिले के कुनकुरी विकासखंड अंतर्गत मयाली में विश्व के सबसे बड़े प्राकृतिक शिवलिंग मधेश्वर पहाड़ के समीप आयोजित दिव्य शिव महापुराण कथा के समापन समारोह को ऑनलाइन माध्यम से संबोधित किया।

श्रावण मास की इस सात दिवसीय दिव्य कथा श्रृंखला का आयोजन 28 जुलाई से 4 अगस्त 2025 तक महामधेश्वर धाम समिति द्वारा किया गया, जिसमें अयोध्या के प्रसिद्ध कथावाचक पूज्य श्री देवकीनंदन ठाकुर जी महाराज ने शिव महापुराण की अमृतमयी वाणी से हजारों श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध किया। मुख्यमंत्री ने व्यासपीठ से जुड़े सभी संतजनों को प्रणाम करते हुए समिति को भव्य आयोजन के लिए बधाई एवं आभार प्रकट किया।

मुख्यमंत्री साय ने अपने उद्बोधन में कहा कि शिव और शक्ति छत्तीसगढ़ के कण-कण में समाए हैं और प्रदेश को आध्यात्मिक ऊर्जा इन्हीं देवस्थलों से प्राप्त होती है। उन्होंने बताया कि मधेश्वर महादेव धाम के विकास के लिए केंद्र सरकार से 10 करोड़ की राशि प्राप्त हुई है, तथा राज्य सरकार तीव्र गति से अधोसंरचना विकास और श्रद्धालु सुविधाओं के लिए कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश में विराजित भगवान शिव के प्रमुख स्थलों का उल्लेख करते हुए कहा कि मयाली में मधेश्वर पहाड़, कवर्धा में बाबा भोरमदेव, राजिम में कुलेश्वर महादेव, गरियाबंद में भूतेश्वर महादेव और जांजगीर-चांपा के खरौद में लक्ष्मणेश्वर महादेव के रूप में भगवान शिव विभिन्न रूपों में श्रद्धालुओं को दर्शन दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह सम्पूर्ण प्रदेश शिवमय है।

श्री साय ने बताया कि छत्तीसगढ़ में पाँच प्रमुख शक्तिपीठों के विकास के लिए शक्ति कॉरिडोर योजना प्रारंभ की गई है। इसमें डोंगरगढ़ की बमलेश्वरी देवी, रतनपुर की महामाया देवी, चंद्रपुर की चंद्रहासिनी माता, दंतेवाड़ा की दंतेश्वरी देवी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में तीर्थ पर्यटन को नई दिशा दी जा रही है।

मुख्यमंत्री ने श्री रामलला दर्शन योजना का उल्लेख करते हुए बताया कि अब तक 22 हजार से अधिक श्रद्धालु अयोध्या धाम में प्रभु श्रीराम के दर्शन का लाभ प्राप्त कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि यह योजना श्रद्धालुओं को प्रभु श्रीराम के प्रति श्रद्धा से जोड़ने का सशक्त माध्यम बनी है।

इसी क्रम में पुनः प्रारंभ की गई मुख्यमंत्री तीर्थदर्शन योजना का ज़िक्र करते हुए उन्होंने कहा कि इस योजना के अंतर्गत राज्य के वृद्ध श्रद्धालुओं को देश के 19 प्रमुख तीर्थ स्थलों के दर्शन कराए जा रहे हैं, जिससे उन्हें जीवन मं आध्यात्मिक संतोष और आस्था का अनुभव हो रहा है।

समापन अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रदेश की सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना करते हुए प्रार्थना की कि बाबा भोलेनाथ की कृपा सदैव सभी श्रद्धालुओं पर बनी रहे। उन्होंने महामधेश्वर धाम समिति को आयोजन की सफलता के लिए शुभकामनाएं दी और कहा कि प्रदेश सरकार श्रद्धा, संस्कृति और विकास के समन्वय से छत्तीसगढ़ को नया धार्मिक एवं पर्यटन गंतव्य बनाएगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जनहितैषी निर्णय से लाखों लोगों को मिलेगा राहत - मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

जनऔषधियों की कीमतों में कटौती पर मुख्यमंत्री साय ने जताया आभार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने केंद्र सरकार द्वारा 37 आवश्यक औषधियों के मूल्य में 10 से 15 प्रतिशत तक की कमी किए जाने के निर्णय का स्वागत करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि स्वस्थ भारत ही विकसित भारत की आधारशिला है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह निर्णय उनके दूरदर्शी और जनकल्याणकारी नेतृत्व की सशक्त अभिव्यक्ति है। यह निर्णय हृदय रोग, मधुमेह, संक्रमण, बुखार और दर्द जैसी आम लेकिन गंभीर बीमारियों से जूझ रहे नागरिकों को बड़ी राहत देगा। उन्होंने कहा कि इस मूल्य कटौती से पैरासिटामोल, एटोरवास्टेटिन, एमोक्सिसिलिन जैसी जीवनरक्षक दवाएं अब और अधिक सुलभ और सस्ती हो सकेंगी। छत्तीसगढ़ जैसे आदिवासी और ग्रामीण बहुल राज्य में यह निर्णय गरीबों, श्रमिकों, किसानों, महिलाओं और वृद्धजनों के स्वास्थ्य हेतु अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने यह भी उल्लेख किया कि छत्तीसगढ़ सरकार प्रधानमंत्री जन औषधि योजना के केंद्रों के विस्तार, आयुष्मान भारत योजना के प्रभावी क्रियान्वयन और प्राथमिक से लेकर उच्चस्तरीय स्वास्थ्य सेवाओं की सहज उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि केंद्र सरकार का निर्णय केवल औषधियों की कीमत घटाने का नहीं, बल्कि आमजन के जीवन स्तर को सशक्त बनाने का भी कदम है।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि : किसानों के चेहरे में आई खुशी की लहर

किसान हितैषी योजना के संचालन के लिए प्रधानमंत्री का जताया आभार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। विष्णु के सुशासन में किसानों को आर्थिक संबल प्रदान करने करने के लिए संचालित प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत 20वीं किस्त का भुगतान किया गया। इससे जिले के किसानों के चेहरे में खुशी की लहर देखने को मिल रही है।

मुंगेली विकासखण्ड के ग्राम धरमपुरा के किसान धनेश्वर बंजारा ने शासन की इस महत्वाकांक्षी योजना की सराहना करते हुए कहा कि सम्मान निधि योजना के अंतर्गत प्रतिवर्ष 06 हजार रूपए मिलने से खेती-किसानी में आर्थिक रूप से मदद मिल जाती है। वे इस राशि का उपयोग खाद खरीदने, सिंचाई उपकरणों की मरम्मत सहित अन्य कृषि कार्यों में करेंगे। उन्होंने इस किसान हितैषी योजना के संचालन के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय सहित शासन-प्रशासन का आभार जताया है। इसी तरह धरमपुरा गॉव के ही किसान देवकुमार टोण्डे ने शासन की इस योजना की प्रशंसा की और शासन-प्रशासन को धन्यवाद ज्ञापित किया।

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तर प्रदेश के वाराणसी में आयोजित किसान सम्मेलन में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना अंतर्गत 20वीं किश्त की राशि किसानों के खाते में अंतरित की, इसमें जिले के 91 हजार 752 पात्र किसानों के खाते में 18 करोड़ रुपये से अधिक की राशि अंतरित की गई।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने 4.09 करोड़ के विकास कार्यों का किया लोकार्पण-भूमिपूजन

विकास कार्यों के लिए गौरेला और पेण्ड्रा नगर पालिका को 3-3 करोड़ तथा मरवाही नगर पंचायत को 2 करोड़ देने की घोषणा की

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव ने गौरेला और पेण्ड्रा नगर पालिकाओं में कुल 4 करोड़ 9 लाख 50 हजार रुपए के विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया। इनमें गौरेला में 1 करोड़ 72 लाख 86 हजार और पेण्ड्रा में 2 करोड़ 36 लाख 64 हजार रुपए लागत के विकास और निर्माण कार्य शामिल हैं।

उप मुख्यमंत्री साव ने गौरेला नगर पालिका कार्यालय व बस स्टैंड तथा पेण्ड्रा असेम्बली हॉल मल्टीपरपज स्कूल में आयोजित लोकार्पण-भूमिपूजन कार्यक्रम को ऐतिहासिक एवं गरिमामय बताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के एक-एक वादे को मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की सरकार पूरा कर रही है। विधायक प्रणव कुमार मरपची और अटल श्रीवास्तव भी इन कार्यक्रमों में शामिल हुए।

उप मुख्यमंत्री साव ने लोकार्पण-भूमिपूजन कार्यक्रम में कहा कि राज्य के नगरीय निकायों का तेजी से विकास हो रहा है। जनआकांक्षाओं को देखते हुए गौरेला और पेण्ड्रा को नगर पालिका तथा मरवाही को नगर पंचायत बनाया गया है। उन्होंने कहा कि नगरों को स्वच्छ, सुंदर एवं सुविधापूर्ण बनाने के लिए शहर विकास योजना (City Development Plan) बनाकर कार्य कर रहे हैं। इसके लिए बिना किसी भेदभाव के सभी निकायों को पर्याप्त राशि दी जा रही है। उन्होंने गौरेला एवं पेण्ड्रा नगर पालिकाओं में विकास कार्यों के लिए 3-3 करोड़ रुपए तथा मरवाही नगर पंचायत के लिए 2 करोड़ रुपए देने की घोषणा की।

श्री साव ने बताया कि गौरेला में स्टेडियम और स्वीमिंग पूल के लिए प्रस्ताव खेल विभाग को भेजा गया है। पेण्ड्रा में नालंदा परिसर के लिए 4 करोड़ 41 लाख रूपए मंजूर किए गए हैं, जिसके निर्माण के लिए निविदा भी आमंत्रित की जा चुकी है। इसके निर्माण से जिले के युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए गुणवत्तापूर्ण ज्ञानार्जन मिलेगा। श्री साव ने प्रधानमंत्री आवास योजना के ऐसे हितग्राहियों जिनके आवास पूर्ण हो चुके हैं, उन्हें पूर्णता प्रमाण पत्र प्रदान किया।

विधायक प्रणव कुमार मरपची और अटल श्रीवास्तव ने भी लोकार्पण-भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित किया। कलेक्टर लीना कमलेश मंडावी ने लोकार्पण एवं विकास कार्यों की विस्तार से जानकारी दी। गौरेला नगर पालिका के अध्यक्ष मुकेश दुबे, पेण्ड्रा नगर पालिका के अध्यक्ष राकेश जालान और मरवाही नगर पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती मधु बाबा गुप्ता ने भी सभा को संबोधित किया और अपने-अपने निकायों में अधोसंरचना, मूलभूत कार्यों, सौंदर्यीकरण सहित विकास कार्यों की जरूरत के बारे में उप मुख्यमंत्री श्री साव को अवगत कराया।

गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही जिला पंचायत की अध्यक्ष समीरा पैकरा, उपाध्यक्ष राजा उपेंद्र बहादुर सिंह, पुलिस अधीक्षक एस.आर. भगत और वनमण्डलाधिकारी ग्रीष्मी चांद सहित अनेक जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक एवं नगरवासी भी कार्यक्रम में मौजूद थे।

अचानकपुर में कृषि और इको-पर्यटन का अनोखा संगम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बलौदाबाजार वन विभाग द्वारा ग्राम अचानकपुर (ब्लॉक कसडोल) में एक नवाचारी पहल की शुरुआत की गई है। जिसके तहत कृषि और इको-पर्यटन को आपस में जोड़ा गया है। इस पहल का उद्देश्य ग्रामीणों को परंपरागत और जैविक खेती के लिए प्रेरित करना है, साथ ही स्थानीय लोगों को रोजगार और पोषण सुरक्षा उपलब्ध कराना है।

इस के तहत ग्रामवासी अचानकपुर एवं देवहिल नेचर रिसॉर्ट के सहयोग से किसानों को कोदो, दुबराज, विष्णुभोग धान और देसी अरहर जैसी पारंपरिक फसलों की खेती के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

वनमण्डलाधिकारी धम्मशील गणवीर ने बताया कि संयुक्त वन प्रबंधन समिति के माध्यम से किसानों को जैविक खेती अपनाने की दिशा में प्रशिक्षण और सहयोग दिया जा रहा है। इससे ग्रामीणों को रसायन मुक्त खेती करने में मदद मिल रही है। जिससे मिट्टी की उर्वरता बनी रहती है और स्वास्थ्यवर्धक अनाज उत्पादन होता है। उन्होंने बताया कि वन विभाग का उद्देश्य है कि आने वाले पर्यटक देवहिल नेचर रिसॉर्ट में रुकते हुए गांव की खेती को करीब से देखें और कृषि पर्यटन का अनुभव लें। इस तरह न केवल ग्रामीणों की आमदनी बढ़ेगी, बल्कि स्थानीय संस्कृति और कृषि विरासत का भी प्रचार होगा। देवहिल रिसॉर्ट में इन्हीं जैविक उत्पादों से बने खाद्य पदार्थों का उपयोग किया जाएगा, जिससे स्थानीय उत्पादन को बाजार मिलेगा और आत्मनिर्भरता की दिशा में बड़ा कदम साबित होगा। इस पहल में ग्राम के किसान रामसिंह, पानसिंह, फूलसिंह और रामायण बरिहा सहित अनेक किसानों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया है और जैविक बीजों की बुवाई शुरू कर दी है। यह पहल पर्यावरण संरक्षण, आजीविका संवर्धन और परंपरागत खेती के पुनर्जीवन की दिशा में एक सराहनीय प्रयास है जिसके लिए वन विभाग के एसीएफ (प्रशिक्षु) गजेन्द्र वर्मा, परिक्षेत्र अधिकारी संतोष कुमार पैकरा और बीएफ ओ योगेश सोनवानी ग्रामीणों को लगातार प्रेरित कर रहे हैं।

सड़क निर्माण की गुणवत्ता में न हो लापरवाही-साव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री अरुण साव ने आज गौरेला जाते समय निर्माणाधीन रतनपुर से पेंड्रा राष्ट्रीय राजमार्ग के कार्यों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर मौजूद लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को सड़क के निर्माण में गुणवत्ता में किसी भी तरह की लापरवाही नहीं बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने सड़क का काम हर हाल में समय-सीमा में पूर्ण करने को कहा, ताकि राहगीरों को कोई परेशानी न हो।

उप मुख्यमंत्री साव ने औचक निरीक्षण के दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग के निर्माण कार्यों में देरी पर नाराजगी जताई। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि यदि किसी प्रकार की परेशानी है, तो समय पर वरिष्ठ अधिकारियों और शासन को अवगत कराएं। सड़क निर्माण की प्रगति में किसी तरह की बाधा नहीं आनी चाहिए। श्री साव ने सड़क निर्माण की गुणवत्ता को भी परखा और

गुणवत्ता में किसी प्रकार की लापरवाही न हो, इसका अधिकारियों को विशेष ध्यान रखने को कहा। उन्होंने कहा कि गुणवत्ता में किसी प्रकार का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रत्येक चरण में कार्यों की गंभीरता से मॉनिटरिंग करें, ताकि लोगों को आवागमन के लिए टिकाऊ और सुरक्षित सड़क मिले। श्री साव ने निर्माणाधीन सड़क में जरूरत के मुताबिक संकेतक बोर्ड लगाने के साथ ही पुल निर्माण का भी काम निर्धारित समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए।

बस्तर में स्वास्थ्य सुविधाओं की बदल रही है तस्वीर

- बस्तर संभाग के 130 स्वास्थ्य संस्थानों को मिला राष्ट्रीय गुणवत्ता प्रमाणन
- नियद नेल्ला नार योजना से 6,816 हितग्राहियों को 8.22 करोड़ की स्वास्थ्य सहायता
- 33 विशेषज्ञ डॉक्टरों सहित 450 से अधिक चिकित्सा स्टाफकी हुई नियुक्ति, 291 पदों पर भर्ती जारी
- मुख्यमंत्री साय के सुशासन और स्वास्थ्य योजनाओं की से नक्सल प्रभावित अंचलों तक पहुंची चिकित्सा सेवाएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। 01 जनवरी 2024 से 16 जून 2025 तक केवल बस्तर संभाग में ही कुल 130 स्वास्थ्य संस्थाओं को हक्क्ष के अंतर्गत गुणवत्ता प्रमाणन प्राप्त हुआ है, जिनमें 1 जिला अस्पताल, 16 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और 113 उप-स्वास्थ्य केंद्र शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, 65 अन्य संस्थाओं का प्रमाणीकरण कार्य प्रक्रियाधीन है। खास बात यह है कि नक्सल प्रभावित जिलों—कांकेर, बीजापुर, सुकमा और दंतेवाड़ा—के 14 संस्थानों को भी गुणवत्ता प्रमाणपत्र प्रदान किया गया है, जो चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

बस्तर संभाग में स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक व्यापक बनाने के उद्देश्य से नियद नेल्लानार योजना अंतर्गत आयुष्मान कार्ड के कवरेज को भी गति दी जा रही है। योजना के अंतर्गत बस्तर संभाग में मात्र एक वर्ष में ही 36,231 आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं। अब तक 52.6 प्रतिशत कवरेज हो चुका है, और 6,816 हितग्राहियों को 8 करोड़ 22 लाख रुपये की चिकित्सा सहायता का लाभ मिल चुका है।

इस सुगठित व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए सरकार ने पिछले डेढ़ वर्षों में बस्तर संभाग में 33 मेडिकल स्पेशलिस्ट, 117 मेडिकल ऑफिसर और 1 डेंटल सर्जन की नियुक्ति की है। इसके अतिरिक्त राज्य स्तर से 75 और जिला स्तर से 307 स्टाफ व प्रबंधकीय पदों पर भर्ती पूरी की गई है, जबकि 291 पदों पर भर्ती प्रक्रिया प्रगति पर है। यह नियुक्तियाँ न केवल सेवाओं की पहुंच को सशक्त बना रही हैं, बल्कि गुणवत्ता और दक्षता में भी उल्लेखनीय बढ़ोत्तरी कर रही हैं।

छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग में स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में उल्लेखनीय और सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिल रहा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में संचालित सुशासन और जनकल्याणकारी स्वास्थ्य योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से अब बस्तर जैसे दुर्गम और नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में भी स्वास्थ्य सुविधाएं लोगों की पहुंच में हैं। सरकार की जन-केंद्रित सोच, ठोस रणनीति और ज़मीनी स्तर पर समर्पित क्रियान्वयन से स्वास्थ्य सुविधाओं की पहुंच अब वहां तक संभव हो रही है, जिसे नक्सल प्रभावित क्षेत्र में एक समय असंभव माना जाता था।

मुख्यमंत्री श्री साय ने बस्तर में स्वास्थ्य सेवाओं के निरंतर विस्तार और गुणवत्ता में सुधार पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा है कि मितानिनों, स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं और विभागीय कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी और प्रतिबद्धता के कारण ही आज यह परिवर्तन संभव हुआ है। बस्तर के लिए हमारी सरकार का विशेष फोकस है और हम इसे निरंतर मजबूत करते रहेंगे।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने जानकारी दी कि सरकार का लक्ष्य पूरे छत्तीसगढ़ में समान रूप से गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। बस्तर में चलाए जा रहे मलेरिया मुक्त अभियान के तहत घर-घर जाकर जांच, त्वरित उपचार और जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से मलेरिया के प्रसार को प्रभावी रूप से नियंत्रित किया गया है। राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक के अंतर्गत पूरे राज्य में, विशेषकर बस्तर क्षेत्र में, स्वास्थ्य संस्थानों ने अनुकरणीय उपलब्धियाँ दर्ज की हैं।

राज्य सरकार की यह स्पष्ट प्राथमिकता रही है कि नक्सल प्रभावित इलाकों—कांकेर, बीजापुर, सुकमा और दंतेवाड़ा जैसे जिलों—में स्वास्थ्य सेवाओं का जमीनी विस्तार हो। आज इन अंचलों में भी लोग गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं से लाभान्वित हो रहे हैं। यह परिवर्तन विष्णु देव साय के सुशासन और स्वास्थ्य क्षेत्र को लेकर उनके विशेष फोकस का प्रमाण है।

इन उपलब्धियों की गहराई से समीक्षा और ज़मीनी प्रगति के प्रत्यक्ष अवलोकन हेतु स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल 5 अगस्त से 7 अगस्त 2025 तक तीन दिवसीय बस्तर दौरे पर रहेंगे। उनके साथ स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी एवं तकनीकी दल भी रहेगा। इस दौरान वे बस्तर संभाग के प्रमुख जिला अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों का निरीक्षण करेंगे, स्वशासी समिति की बैठकें लेंगे, मलेरिया मुक्त अभियान की समीक्षा करेंगे तथा बीजापुर और सुकमा जैसे दूरस्थ जिलों के अंतिम छोर पर बसे गांवों में जाकर भी स्वास्थ्य सेवाओं की जमीनी स्थिति का मूल्यांकन करेंगे।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग में हो रहा यह परिवर्तन सिद्ध करता है कि जब सरकार की नीयत स्पष्ट हो, योजना व्यावहारिक हो और सिस्टम में प्रतिबद्धता हो—तो किसी भी दुर्गम और संवेदनशील क्षेत्र की तस्वीर बदली जा सकती है। बस्तर अब पिछड़ेपन और असुविधा की छवि से निकलकर विकास और सशक्तिकरण की पहचान बन रहा है। स्वास्थ्य जैसे संवेदनशील विषय में जो क्रांतिकारी बदलाव बस्तर में हो रहा है, वह पूरे देश के लिए एक अनुकरणीय उदाहरण है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950